News सिटी चीफ
वर्ष-15, अंक-231
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सुविचार

हार मानने से पहले, एक बार और प्रयास करने की सोचो।

सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार 26 नवम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

सीएम मोहन यादव की यूके यात्राः लंदन में ब्रिटिश पार्लियामेंट पहुंचे मुख्यमंत्री, महात्मा गांधी की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण, मप्र को लेकर जताया भरोसा

दुनियाभर के निवेशक मप्र में निवेश करने को तैयार, कई सेक्टर में मिलेगा बड़ा लाभ

लंदन। मध्यप्रदेश को आर्थिक मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव यूके-जर्मनी के दौरे पर हैं। वे रविवार को लंदन पहुंचे। यहां होटल में यूके में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी और प्रवासी भारतीयों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। वहीं सोमवार को सीएम मोहन यादव लंदन में ब्रिटिश पार्लियामेंट पहुंचे और वहां की कार्यप्रणाली समझी। सीएम ने पत्नी के साथ ब्रिटेन के पार्लियामेंट स्क्वायर गार्डन में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान एसीएस डॉ. राजेश राजौरा, पीएस राघवेंद्र सिंह मौजूद थे। महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद सीएम मोहन यादव ने कहा कि मप्र में ऐसी सभी संभावनाएं हैं, जिसके बलबूते पर वह देश और दुनिया में निवेशकों को आकर्षित कर सके। हमारी सरकार बनने के बाद लगातार टूरिज्म, हेल्थ, एजुकेशन ऐसे सभी सेक्टर्स में बड़े पैमाने पर संभावना है। मप्र को आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक सुविधाओं के लिए जनसुविधाओं के लिए पर्याप्त धनराशि के साथ राज्य में इन व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित करना है तो हमें सभी निवेशकों को आमंत्रित करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने संभाग स्तरीय रीजनल कॉन्क्लेव की सफलता के बाद देश में और अब देश के बाहर दुनिया में खासकर ब्रिटेन, जर्मनी ऐसे कई देश हैं, जिनके यहां कई निवेशक हमारे राज्य में निवेश करने को तैयार हैं। टेक्नोलॉजी और अलग-अलग सेक्टर में बड़ा लाभ मिल सकता है।

ब्रिटेन और जर्मनी के बाद दूसरे देशों में भी जाएंगे मध्यप्रदेश के विकास को गति देने और निवेश आकर्षित करने के मिशन पर लंदन पहुंचे सीएम मोहन यादव ने कहा कि सभी निवेशकों को बेहतर प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने के लिए भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट कर रहे हैं तो हमारा भी फर्ज बनता है कि हम हर जगह अपनी बात रखें। आज ब्रिटेन आए हैं, इसके बाद जर्मनी भी जाएंगे। बाकी समय मिलेगा तो दूसरे और देशों में जाएंगे। सीएम ने कहा कि आज महात्मा गांधी की प्रतिमा पर हमने पुष्पांजलि की। बापू ने आजादी के संघर्ष में एक ऐसे अद्वितीय पराक्रम का प्रदर्शन किया था, जिसके आधार पर पूरा देश गौरवान्वित होता है। अहिंसा के हथियार से दुनिया की सबसे बड़ी ताकत अंग्रेजों को झुकाकर देश की आजादी में उनका अहम रोल रहा है। हम सब उनके अहिंसा के मार्ग पर देश और प्रदेश को आगे बढ़ाने में परमात्मा सक्षम करे। ऐसी कामना करता हूं।

सीएम ने समझी ब्रिटिश पार्लियामेंट की कार्यप्रणाली ब्रिटिश पार्लियामेंट का दौरा करने के बाद सीएम मोहन यादव ने बताया कि इंग्लैंड की संसद के दोनों सदनों के बारे में यहां की पूर्व मंत्री ने बहुत कुशलता से पूरे सदन का कामकाज समझाया। सीएम ने बताया कि इनके यहां की व्यवस्था में हमारे यहां राज्यसभा के समान इनका अलग-अलग टेन्योर नहीं होता। एक बार कोई उच्च सदन का नामित सदस्य हुआ तो उम्रभर रहता है। यहां बैठने के लिए कुर्सी अलग-अलग नहीं होती। जिसको जहां जगह मिलती है, वहां बैठ जाते हैं। हाउस ऑफ कॉमन्स का सिस्टम भी अलग प्रकार का है। राज्यसभा का सदस्य, राज्यसभा में, लोकसभा का सदस्य, लोकसभा में। लेकिन, हमारे यहां के मंत्री दोनों सदन में जाकर अपनी बात रखते हैं, रख सकते हैं, लेकिन के यहां के कार्यप्रणाली में यह गुंजाइश नहीं है। यहां के राजा उच्च सदन से ही अपनी बात रखते हैं। वेहाउस ऑफ कॉमन्स में अपनी बात नहीं कहते। ऐसी कई जिज्ञासाओं का समाधान हुआ।

उद्योगपतियों के साथ राउंड टेबल मीटिंग यूके में सीएम मोहन यादव 27 नवंबर तक रहेंगे। यहां वे फ्रेंड्स ऑफ एमपी नेटवर्क का विस्तार करेंगे। प्रमुख उद्योगपतियों के साथ राउंड टेबल मीटिंग और व्यक्तिगत बातचीत करेंगे। कपेरो, हेलेओन, क्यान केनोड जैसे बड़े संस्थानों के साथ निवेश और विकास की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। वारविक मैन्युफैक्चरिंग ग्रुप के साथ अनुसंधान और कौशल विकास पर भी बातचीत करेंगे। ब्रिटेन में शहरों के पुनर्विकास और नई तकनीक के बारे में भी जानकारी लेंगे। इसके बाद 30 नवंबर तक सीएम यादव जर्मनी में रहेंगे। म्यूनिख और स्टटगार्ट जैसे औद्योगिक केंद्रों का दौरा करेंगे। प्रमुख उद्योगपतियों के साथ बैठकें और व्यक्तिगत बातचीत करेंगे। एसएफसी एनर्जी, बेर्लोचर और लेप ग्रुप जैसे बड़े संस्थानों के केंद्रों का दौरा करेंगे और उनकी योजनाओं पर चर्चा करेंगे।

अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई

अंडमान के समुद्र में पकड़ी गई 5500 किलो की ड्रग्स

नई दिल्ली। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के पास बंगाल की खाड़ी में 5500 किलो मेथामफेटामाइन ड्रग्स जब्त की गई है। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) की ओर से यह अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई है। इस ड्रग्स की कीमत करोड़ों में बताई जा रही है। ड्रग्स को लगभग 3,000 पैकेट में पैक किया गया था,प्रत्येक पैकेट में 2 किलो ड्रग्स थे। इस मामले में म्यांमार के छह नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। माना जा रहा है कि ड्रग्स भारत और पड़ोसी देशों में भेजी जानी थी। भारतीय कोस्टल गार्ड के अधिकारी ने बताया कि ट्रॉलर को चेतावनी दी गई थी कि वह अपने नाव की गति को कम कर ले। इस बीच, पायलट ने अंडमान और निकोबार कमांड को सतर्क कर दिया। तुरंत ही,हमारे पास के तेज गश्त वाले जहाज बैरन द्वीप की ओर बढ़े। 24 नवंबर को आगे की जांच के लिए मछली

पकड़ने वाले ट्रॉलर को पोर्ट ब्लेयर ले जाया गया। हमने मछली पकड़ने वाले ट्रॉलर से छह म्यांमार के नागरिकों को गिरफ्तार किया है। माना जा रहा है कि मेथामफेटामाइन भारत और उसके पड़ोसी देशों के लिए थी। हमने संयुक्त पूछताछ के लिए अंडमान और निकोबार पुलिस को सूचित कर दिया है। रक्षा अधिकारी ने आगे बताया कि भारतीय तटरक्षक बल ने अंडमान के पानी में एक मछली पकड़ने वाली नाव से लगभग पांच टन ड्रग्स का एक बड़ा जत्था पकड़ा है। यह भारतीय तटरक्षक बल द्वारा अब तक की सबसे बड़ी ड्रग बरामदगी होने की संभावना है। इससे पहले 2019 और 2022 में, इसी तरह के ड्रग्स विदेशी जहाजों से जब्त किए गए थे जब उन्होंने भारतीय जल में प्रवेश करने की कोशिश की थी।

कूनो नेशनल पार्क में मादा चीता निर्वा ने दिया चार शावकों को जन्म

भोपाल। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क की मादा चीता निर्वा ने चार शावकों को जन्म दिया है। अधिकारियों का कहना है कि यह डेवलेपमेंट चीतों को उनके प्राकृतिक आवास में फिर से लाने के देश के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण माइल स्टोन है। 2022 में दक्षिण अफ्रीका से भारत आए चीतों में से एक निर्वा में हाल के हफ्तों में गर्भावस्था के स्पष्ट लक्षण दिखाई दे रहे थे। वन्यजीव अधिकारी उसकी स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे थे, खासकर जब एक अन्य मादा चीता वीरा को लेकर पहले की उम्मीदें झूठी साबित हुईं। अधिकारियों का कहना है कि निर्वा के शावकों के जन्म से इस परियोजना में नई उम्मीद जगी है।

कूनो नेशनल पार्क अब 24 चीतों का घर है, जिसमें पार्क के भीतर पैदा हुए 12 शावक शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस महत्वाकांक्षी पहल की सफलता है, जिसके तहत 1952 में भारत में विलुप्त घोषित की गई प्रजाति को फिर से लाया गया है। इससे पहले वीरा की गर्भावस्था ने शुरू में उत्साह जगाया था, लेकिन आगे की जांच से पुष्टि हुई कि यह एक गलत अलार्म था। इस झटके के बावजूद, एक अधिकारी ने कहा कि निर्वा के सफल प्रसव ने पार्क की फिर से शुरू की गई चीता के प्रजनन स्थल के रूप में क्षमता की पुष्टि की है। कूनो के अधिकारियों ने नवजात शावकों के अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिए अपनी खुशी और प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

संसद के शीतकालीन सत्र का पहला दिन

अडानी और संभल हिंसा को लेकर सदन में विपक्ष ने किया जमकर हंगामा

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को लोकसभा और राज्यसभा में जबरदस्त हंगामा हुआ। दोनों ही सदनों में अमेरिका में अडानी ग्रुप के खिलाफ लगे आरोपों और यूपी के संभल में हुई हिंसा को लेकर चर्चा की मांग की गई। इस दौरान विपक्षी सांसदों ने जमकर हंगामा किया। आखिरकार दोनों ही सदनों को बुधवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। बताया गया है कि राज्यसभा में विपक्ष ने मणिपुर हिंसा और केरल के वायनाड में आई आपदा को लेकर भी स्थगन प्रस्ताव दिए थे। हालांकि, इन मुद्दों पर चर्चा नहीं हो पाई। इस बीच विपक्षी सांसदों ने भाजपा को संभल हिंसा के मुद्दे पर घेरा। समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव और कुछ अन्य पार्टी सदस्यों ने इस दौरान जोर शोर से अपनी बात रखने की कोशिश की। इस दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी खड़े दिखाई दिए। अन्य विपक्षी दलों के सदस्य भी विभिन्न मुद्दों को उठाने का प्रयास कर रहे थे। विपक्ष के हंगामे के कारण दोनों ही सदनों में शून्यकाल एवं प्रश्नकाल नहीं हो पाए।

राज्यसभा में बरसे मल्लिकार्जुन खड़गे राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के जॉन ब्रिटास, कांग्रेस के नीरज डांगी, प्रमोद तिवारी और अखिलेश प्रसाद सिंह और आम आदमी पार्टी के संजय सिंह समेत कई सदस्यों ने अडानी समूह के खिलाफ अमेरिकी अभियोजकों के रिश्वतखोरी के आरोपों पर चर्चा की मांग को लेकर नोटिस दिए। आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा सहित विपक्ष के कुछ अन्य सदस्यों ने मणिपुर में हिंसा और उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा के मुद्दे पर नोटिस दिए थे। सभापति धनखड़ ने इन सभी नोटिस को अस्वीकार कर दिया और खड़गे को अपनी बात रखने का मौका दिया। खड़गे ने कहा कि अदाणी समूह के खिलाफ लगाए गए आरोप गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि अगर सूचीबद्ध कामकाज को निलंबित कर दिया जाता है तो विपक्षी सदस्य बता सकते हैं कि यह बहुत अहम मुद्दा है और यह कैसे पूरे देश को कैसे प्रभावित कर रहा है।

देश की छवि खराब हुई मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि वैश्विक स्तर पर देश की छवि खराब हुई और फिर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अडानी का समर्थन कर रहे हैं। हालांकि, इससे पहले खड़गे कुछ और बोल पाते, सभापति ने कहा कि वे इस मुद्दे पर उनके नोटिस को अस्वीकार कर चुके हैं इसलिए वे इसे उठा नहीं सकते। इसके बाद कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के सदस्य अपने स्थान पर खड़े हो गए और आसन से खड़गे को बोलने देने की मांग करते रहे।

अखिलेश यादव ने स्पीकर से की मुलाकात समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने संभल की घटना को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। इस दौरान अखिलेश यादव के साथ उनकी पार्टी के कई सांसद भी मौजूद रहे। समाजवादी पार्टी ने अखिलेश यादव और ओम बिरला की मुलाकात की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की है।

हंगामे को लेकर भाजपा ने की विपक्ष की आलोचना भाजपा ने विपक्षी पार्टियों की आलोचना करते हुए कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और कुछ राज्यों में हुए उपचुनावों में मिली हार की हताशा में संसद की कार्यवाही को बाधित करना विपक्षी दलों के सदस्यों के लिए सही नहीं है।

वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि यदि आप अपनी हार से हताश हैं तो क्या आप संसद नहीं चलने दंगे और पलटवार करेंगे? यह सही नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और सरकार के अन्य नेता इस बात पर जोर दे चुके हैं कि संसद में हर मुद्दे पर चर्चा होगी। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सदन की कार्यवाही स्थगित किए जाने को लेकर विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वे जानबूझकर व्यवधान पैदा कर रहे हैं क्योंकि वे नहीं चाहते कि संसद की कार्यवाही चले।

मप्र में नकल माफियाओं की खैर नहीं, पेपर लीक पर होगी अब कड़ी सजा

भोपाल। मप्र में नकल माफिया के बुरे दिन आने वाले हैं। मध्यप्रदेश सरकार नकल, सामूहिक नकल और पेपर लीक जैसे मामलों में सजा बढ़ाने जा रही है। ऐसे मामलों में अब 10 साल तक की जेल और एक करोड़ रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। इसके लिए मध्यप्रदेश मान्यता प्राप्त परीक्षा अधिनियम में संशोधन होने जा रहा है। अभी तक नकल करने पर तीन साल की जेल और पांच हजार रुपए तक का जुर्माना लगता था। अब सरकार ने इसके लिए कमर कस ली है। पेपर लीक, सामूहिक नकल और परीक्षा की गोपनीयता भंग करने जैसे अपराधों को गंभीर से लेते हुए सरकार ने सजा बढ़ाने का फैसला लिया गया है।

कौन कौन दायरे में?

इस कानून के दायरे में एमपी बोर्ड, एमपीपीएससी और कर्मचारी चयन मंडल की सभी परीक्षाएं आएंगी। अधिकारियों का कहना है कि पिछले कुछ सालों में एमपी बोर्ड, व्यापमं और एमपीपीएससी की परीक्षाओं में पेपर लीक और सामूहिक नकल की घटनाएं बढ़ी हैं। इसी को देखते हुए कानून में बदलाव किया जा रहा है।

नकल माफिया से वसूला जाएगा खर्च

नए कानून में नकल माफिया से परीक्षा का खर्च भी वसूला जाएगा। अगर कोई फर्जी प्रश्नपत्र बांटता है या फर्जी वेबसाइट बनाता है और इससे परीक्षा टलती है तो उस पर होने वाला सारा खर्च वही उठाएगा। परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन ले जाने पर पहले से ही पाबंदी है, लेकिन अब केंद्र अध्यक्ष भी मोबाइल फोन नहीं ले जा सकेंगे। ऐसा करने पर उन्हें भी 10 साल की जेल और एक करोड़ रुपये जुर्माना देना होगा।

शीतकालीन सत्र में बिल हो सकता है पेश

यह कानून केंद्र सरकार के नए कानून सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम 2024 पर आधारित होगा। कैबिनेट की मंजूरी के बाद इसे विधानसभा के शीतकालीन सत्र में पेश किया जाएगा। संशोधित कानून का ड्राफ्ट स्कूल शिक्षा विभाग ने तैयार कर लिया है। यह ड्राफ्ट परीक्षण के लिए विधि विभाग को भेजा गया है। इसके बाद इसे कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। सरकार की कोशिश है कि इस कानून को शीतकालीन सत्र के दौरान विधानसभा में पारित कराकर लागू किया जाए।

यूरेशियन ग्रुप की बैठक शुरूः मंत्री कैलाश विजयवर्गीय बोले- साइबर क्राइम देश के लिए चुनौती

साइबर अपराध करने वाला अपराधी पुलिस से भी ज्यादा स्मार्ट

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। यूरेशियन ग्रुप प्लेनरी और वर्किंग ग्रुप की पांच दिनी अंतरराष्ट्रीय बैठक सोमवार को इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में शुरू हुई। इस बैठक में 25 देशों के 200 से ज्यादा प्रतिनिधि भाग ले रहे है। बैठक सुबह 9 बजे शुरू हुई। मेहमानों का स्वागत मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मेयर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी ने किया। इस बैठक का उद्देश्य आतंकवाद के लिए होने वाली फंडिंग, मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अपराधों की रोकथाम को लेकर सभी देशों की कारगर रणनीति बनाना है। बैठक में मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि साइबर अपराध देश के लिए बड़ी चुनौती है। अब अपराधी किसी भी देश में बैठकर अपराध को अंजाम दे सकता है। आतंकवादी भी इसे अपना रहे हैं। साइबर अपराध करने वाला अपराधी पुलिस से ज्यादा स्मार्ट है। इन अपराधियों से निपटने के लिए कारगर रणनीति जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत देश धीरे-धीरे ताकतवर बन रहा है। भारत हमेशा शांति के प्रयास करता है और आगे भी करता रहेगा।

आतंकवाद की फंडिंग पर अंकुश जरूरी
सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि आतंकवाद के लिए होने वाली फंडिंग उसकी रीढ़ है। सभी देशों को मिलकर आतंकवाद की कमर तोड़ने के लिए फंडिंग पर अंकुश लगाना होगा। इससे ही आतंकवाद कमजोर होना। भारत ने भी इसके लिए काफी प्रयास किए है। आतंकवादी नकली करेंसी चला कर देशों की अर्थव्यवस्था भी कमजोर करते है। मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर को इस बैठक की मेजबानी का अवसर मिला है। इंदौर इस देश का सबसे साफ शहर तो है साथ में देश की नंबर वन स्मार्ट सिटी भी है। इंदौर ग्रीन एनर्जी को भी बढ़ावा दे रहा है। स्वागत सत्र के बाद अलग अलग देशों से आए प्रतिनिधियों ने अपनी बात रखी।

इंदौर जीवंत संस्कृति का शहर
भारतीय प्रतिनिधिमंडल के एचओडी विवेक अग्रवाल ने बैठक के उद्देश्यों से अवगत कराया। उन्होंने आयोजक संस्था की ओर से स्वागत भाषण देते हुए कहा कि देश के लिए यह गर्व का विषय है कि यह महत्वपूर्ण बैठक इंदौर में आयोजित हो रही है। उन्होंने इंदौर को जीवंत संस्कृति का शहर बताया और कहा कि यह भारत देश को प्रतिबिंबित करता है। यह शहर देवी अहिल्या जो कि एक न्यायप्रिय रानी थी, के पुण्य और प्रताप का शहर है। उनकी दूरदृष्टि से इंदौर एक ऐसा शहर बना जिसने वाणिज्य व्यापार में भी अपना स्थान बनाया।

हरित ऊर्जा के लिए काम कर रहा इंदौर
कलेक्टर आशीष सिंह ने प्रशासन की ओर से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इंदौर शहर अपनी गर्मजोशी और सेवाभाव के साथ आतिथ्य सत्कार के लिए जाना जाता है। प्रशासन सदैव मेहमानों की सेवा के लिए तत्पर रहेगा। इंदौर का यह आयोजन न केवल विभिन्न मस्तिष्कों का मेल है अपितु आतंकवाद के वित्तपोषण जैसी चुनौतियों के लिए यहां किया गया बौद्धिक विमर्श विश्व में आतंकवाद के प्रसारण को रोकने में सहायक सिद्ध होगा। महापौर भार्गव ने कहा कि इंदौर ने प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता को साकार रूप दिया है। कई बार स्वच्छता में अपना परचम लहराया हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश हृदय है तो इंदौर इसकी हृदय गति है। इंदौर जन सहभागिता के क्षेत्र में भी मशाल लेकर सबसे आगे चल रहा है और हम हरित ऊर्जा के लिए भी उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं।

डेलिगेट्स सुबह से ही पहुंचने लगे थे
यूरेशियन ग्रुप प्लेनरी और वर्किंग ग्रुप मीटिंग के लिए सुबह से ही डेलिगेट्स के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। रविवार को तीन अलग-अलग फ्लाइट से डेलीगेट्स इंदौर पहुंचे थे। उनकी अगवानी केंद्रीय वित्त मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव विवेक अग्रवाल ने खुद की। इसके पूर्व शुक्रवार और शनिवार को कई डेलीगेट्स इंदौर आए थे। रविवार को एक ग्रुप की बैठक भी बीसीसी में हुई। पांच दिनी आयोजन में डेलीगेट्स दो दिन डिनर बाहर करेंगे। इसमें एक दिन डेली कॉलेज में कल्चरल नाइट और डिनर के साथ एक दिन मांडू में मालवा, प्रदेश और भारत की संस्कृति से रुबरू होंगे।

अंदर और बाहर कड़ी सुरक्षा
ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर के अंदर और बाहर कड़ी सुरक्षा की गई है। इसके लिए दूर-दर तक बैरिकेड्स लगाए गए हैं। मेहमानों के आने-जाने के दौरान मुख्य मार्ग पर आमजन की आवाजाही डायवर्ट की गई है। डेलीगेट्स कौन हैं, कहां ठहरे हैं, कब तक हैं, उनका क्या शेड्यूल है, इसकी जानकारी साझा नहीं की गई है। कार्यक्रम स्थल की बैठक व्यवस्था, मेहमानों के प्रवेश और निर्गमन व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश व्यवस्था, आवास व्यवस्था, आकस्मिक चिकित्सकीय व्यवस्था, अग्नि शमन व्यवस्था, पार्किंग सहित अन्य व्यवस्थाओं पर खास जोर दिया गया है। आयोजन स्थल पर मध्य प्रदेश की विरासत, कला, औद्योगिक विकास को दशार्ती प्रदर्शनी भी लगाई गई है।

आज यह होगा बैठक में
26 नवंबर को सुबह 9 बजे से बैठकों का दौर शुरू होगा। संयुक्त वर्किंग ग्रुप की बैठकें होगी। दोपहर 2 से शाम 6 बजे तक वर्कशॉप होगी। ब्रिस्क एएमएल-सीएफटी की बैठक होगी।

कल यह होगा बैठक में
27 नवंबर को सुबह 9 बजे से ब्रिलियन्ट कन्वेंशन सेंटर के आर्किड हॉल में फिनटेक प्रदर्शनी का शुभारंभ होगा। इसी के साथ इनोवेशन फाइनेंस पर ईएजी-एपीजी वर्कशॉप होगी। दोपहर 2 बजे सभी डेलीगेट्स मांडू यात्रा पर जाएंगे। वहां भ्रमण, सांस्कृतिक कार्यक्रम और रात्रि भोज के बाद रात 9 बजे इंदौर लौटेंगे।

28 नवंबर को यह होगा बैठक में
28 नवंबर को सुबह 9 से 10 बजे बैठक का औपचारिक उद्घाटन सत्र होगा।
10 बजे से 5.30 बजे तक प्लेनरी ग्रुप की बैठक होगी। फिनटेक और वर्चुअल एसेट्स पर प्रदर्शनी लेगेगी। शाम 5 से 7 बजे तक पुरस्कार समारोह। शाम 7 से 10 बजे तक डिनर।
29 नवंबर को होगा समापन
29 नवंबर को सुबह 9 बजे से 41वीं ईएजी प्लेनरी सेशन की प्रमुख बैठकें होंगी और शाम 6 बजे समापन होगा।

नाले में मिली लापता बच्ची की लाश, रहवासियों का गुस्सा फूटा

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर के शिव सागर कॉलोनी में शनिवार को छह साल की बच्ची के लापता होने के बाद सोमवार सुबह उसका शव एक नाले में मिला। इस घटना ने पूरे शहर को झकझोर दिया है। मानसिक रूप से कमजोर बच्ची अचानक घर के आंगन से गायब हो गई थी। बच्ची के गायब होने के बाद परिजनों और स्थानीय निवासियों ने उसे हर जगह ढूंढा, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। बच्ची के माता-पिता सुरेंद्रनगर, गुजरात के निवासी हैं और इंदौर में अपने माता-पिता से मिलने आए थे। घटना के समय बच्ची की मां ब्यूटी पार्लर गई हुई थीं, जबकि पिता घर पर मैच देख रहे थे। इसी दौरान बच्ची खेलते-खेलते गायब हो गई। चचेरे भाई, जो उस समय फोन पर व्यस्त थे, ने भी बच्ची पर ध्यान नहीं दिया।
बच्ची के लापता होते ही कॉलोनी में हड़कंप मच गया। पुलिस को सूचना दी गई और अपहरण का मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने सघन तलाशी अभियान चलाया
एसीपी रूबीना मिजवानी के नेतृत्व में सघन तलाशी अभियान शुरू हुआ। पुलिस, स्थानीय निवासी और परिजन मिलकर बच्ची को ढूंढने में जुट गए। पुलिस ने इलाके की झाड़ियों और नालियों तक में सर्चिंग कराई। इसके अलावा, एसडीआरएफ की टीम की मदद भी ली गई। लंबे सर्च ऑपरेशन के बाद सोमवार सुबह बच्ची का शव कॉलोनी के पास एक नाले में मिला। इस घटना ने परिजनों और स्थानीय लोगों को गहरे सदमे में डाल दिया।

गुस्साए परिजन और रहवासियों ने किया चक्काजाम
सोमवार को बच्ची का शव मिलने के बाद गुस्साए परिजन और स्थानीय लोगों ने गमले वाली पुलिया पर चक्काजाम कर दिया। लोग निगम प्रशासन के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाने लगे। उनका आरोप है कि पुलिस के पास बाउंड्री वॉल बनाने के लिए कई आवेदन दिए गए, लेकिन बाउंड्री वॉल तैयार नहीं की गई। फिलहाल, यह साफ नहीं हुआ है कि बच्ची की मौत कैसे हुई। स्थानीय निवासी अनूप दुबे ने आरोप लगाया कि पिछले कई सालों से तालाब पर बाउंड्री वॉल बनाने के लिए नगर निगम प्रशासन को ज्ञापन दिए जा चुके हैं, लेकिन अब तक सुनवाई नहीं हुई।

हमें बच्ची का हत्यारा चाहिए
रहवासी सरोज पाठक ने बताया कि, बच्ची को किसी ने घर में रखा और नाले में लेकर जाकर फेंक दिया है।
क्योंकि तीन दिन में बॉडी फूल जाती है। लेकिन बच्ची का बॉडी फूली नहीं थी। बच्ची के कपड़े फटे हुए हैं। हमें बच्ची का हत्यारा चाहिए।

बच्ची के पिता ने पुलिस को दी जानकारी
तीन से चार दिन पहले ही बच्ची के पिता परिवार के साथ इंदौर आए थे। उज्जैन में वे एक शादी में भी शामिल हुए थे। शनिवार शाम को वे अपने परिवार के साथ इंदौर के राजेंद्र नगर थाने पहुंचे। उन्होंने अपनी 6 साल की बच्ची के गुम होने की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस को बच्ची के पिता ने बताया था कि वे गुजरात के सुरेंद्र नगर में एक फार्मा कंपनी में काम करते हैं। पत्नी और दो बच्चों को लेकर शिव सागर कॉलोनी में रहने वाले नाना-नानी से मिलने इंदौर आए थे।

एसीपी ने यह बताया
एसीपी रुबीना मिजवानी के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज और डॉग स्क्वायड की मदद से हम घटनास्थल तक पहुंचे। इसके बाद एसडीआरएफ और नगर निगम टीम की मदद से सर्चिंग शुरू की। पोकलेन मशीन से कचरा हटाया गया। इसी कचरे में बच्ची का शव मिला। बच्ची अपने माता-पिता के साथ इंदौर में अपने नाना-नानी के घर शादी में आई थी।

जीआरपी कॉलोनी से भी किशोरी लापता
इंदौर के कनाड़िया थाना क्षेत्र की जीआरपी कॉलोनी से भी 13 साल की एक अन्य बच्ची के लापता होने की खबर आई। एसीपी कुंदन मंडलोई के मुताबिक, पुलिस बच्ची की तलाश में जुटी है और तिलक नगर तथा कनाड़िया पुलिस द्वारा तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।
वहीं लालबाग क्षेत्र में रविवार को दो अन्य बच्चियों के लापता होने की घटनाएं सामने आईं। हालांकि, पुलिस ने स्थानीय लोगों और इंटरनेट मीडिया की मदद से उन्हें जल्द ही ढूंढ निकाला। एडिशनल डीसीपी आनंद यादव ने बताया कि दोनों बच्चियां खेलते-खेलते कॉलोनी से दूर चली गई थीं, लेकिन सुरक्षित वापस मिल गईं। इसके अलावा, तिलक नगर थाना क्षेत्र से एक बच्चा भी गायब हो गया था, जिसे पुलिस ने शाम को खोज निकाला। इस तरह की घटनाओं ने शहर में सुरक्षा और बच्चों की देखरेख को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

रेसकोर्स क्षेत्र में लूट कांड के आरोपी ट्रेन से गए थे दिल्ली, दल खाली हाथ लौटा

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर के पॉश इलाके रेसकोर्स क्षेत्र में 15 लाख रुपए के आभूषण लूटने वाले बदमाश दिल्ली से इंदौर ट्रेन से आए थे। दोनो दिल्ली के बिंदापुर क्षेत्र में रहते हैं। पुलिस दोनो बदमाशों को पकड़ने दिल्ली में भी डेरा डाले रही, लेकिन वहां से भी खाली हाथ लौटना पड़ा। लूटकांड की जांच कर रहे दलों को पता चला था कि आरोपी लूट को अंजाम देने के बाद ट्रेन से दिल्ली गए थे। वे बिंदापुर क्षेत्र के बदमाश हैं और दोनों पर एक दर्जन केस है। इंदौर से गए पुलिस के दल ने स्थानीय बिंदापुर पुलिस से मदद मांगी तो पता चला कि स्थानीय पुलिस को भी दोनों आरोपी रोहित कपूर और सागर उर्फ रिंकू पिता गेंदालाल की एक लूट के मामले में तलाश है। पुलिस को पता चला है कि दोनो बदमाश दूसरे राज्यों में वारदात के लिए बस और ट्रेन से जाते हैं। इस बार उन्होंने इंदौर को चुना था। 14 दिन पहले दोनो दिल्ली से पहले उज्जैन आए थे और फिर बस से इंदौर पहुंचे थे। उन्होंने रेसकोर्स क्षेत्र में कमलेश अग्रवाल उनके बेटे व पड़ोसी के साथ लूट की थी। तीनों से पंद्रह लाख रुपये के आभूषण लूटे थे। पुलिस को दोनो बदमाशों के स्पष्ट फुटेज मिल गए थे। इस आधार पर अन्य राज्यों के अपराधियों के रिकार्ड भी खंगाल रही थी। इंदौर पुलिस ने यह पता लगा लिया था कि आरोपी दिल्ली के है। इसके बाद सप्ताहभर से इंदौर का एक पुलिस दल दिल्ली में बदमाशों को पकड़ने गया था, लेकिन वारदात के बाद दोनो अपने घर नहीं पहुंचे। अब पुलिस का एक दल फिर दिल्ली जाएगा।

इंदौर सहित कई शहरों के लोगों को ट्रेन से यात्रा करने की जरूरत नहीं होगी

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। अगले साल से मध्यप्रदेश, उत्तप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों के तमाम शहरों के लोगों को आने-जाने के लिए ट्रेन पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। वे अपनी गाड़ी से सुविधाजनक सफर करते हुए कम समय में घर पहुंच सकेंगे। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा बनवाए जा रहे एक्सेस कंट्रोल्ड हाईवे में से पांच तैयार होने जा रहे हैं। एनएचएआई ने इन सभी की डेडलाइन तक कर दी है, जिसके अनुसार मार्च 2025 से पहले सभी तैयार हो जाएंगे. इसके बाद इन्हें जनता के लिए खोल दिया जाएगा। देश में सड़क मार्ग से आवागमन आसान करने के लिए एक्सप्रेसवे के अलावा एक्सेज कंट्रोल्ड हाईवे बनाए जा रहे हैं। इनका निर्माण दो से तीन वर्ष पहले शुरू किया गया है, इनमें से कुछ का निर्माण अंतिम चरण में है। इतना ही नहीं कुछ में ट्रायल भी शुरू हो चुका है। मंत्रालय के अनुसार तय

डेडलाइन के अंदर सभी हाईवे तैयार करने के निर्देश एनएचएआई को दे दिए गए हैं।

इन शहरों में आना जाना होगा आसान
इंदौर-हैदराबाद एक्सेस कंट्रोल्ड हाईवेः 525 किमी. लंबा यह हाईवे मध्यप्रदेश के शहरों से होकर हैदराबाद जाएगा। इससे मध्यप्रदेश के कई शहरों में आना जाना आसान हो जाएगा।
कोटा-इंदौर एक्सेस कंट्रोल्ड हाईवेः यह हाईवे 135 किमी. लंबा होगा। इससे इंदौर, उज्जैन और राजस्थान के कोटा के बीच सफर आसान हो जाएगा। इससे करीब डेढ़ घंटे में सफर को पूरा किया जा सकेगा।
दिल्ली-सहारनपुर-देहरादून एक्सेस कंट्रोल हाईवेः कुल 239 किमी. लंबा हाईवे उत्तरप्रदेश के कई जिलों से होकर उत्तरखंड जा रहा है। यह दिल्ली से शुरू हो रहा है, इसलिए इससे दिल्ली, उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड के शहरों के लोग अपने वाहनों से सुविधाजनक ढंग से सफर कर सकते हैं।
रायपुर विशाखापट्टनम एक्सेस कंट्रोल्ड हाईवेः 465 किमी. लंबा है, इसके निर्माण से छत्तीसगढ़ और आंध्रप्रदेश के लोगों का सड़क मार्ग से सफर आसान हो जाएगा। दोनों राज्यों के कई शहरों से होकर यह एक्सेस कंट्रोल्ड हाईवे गुजर रहा है।

मंत्री कंसाना ने किया ड्रोन प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ, 10वीं पास ले पाएंगे ट्रेनिंग

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर में सोमवार को मंत्री एदल सिंह कंसाना ने ड्रोन प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया। यहां पर स्मॉल और मीडियम कैटेगरी के ड्रोन उड़ाने की ट्रेनिंग दी जाएगी। यहां फीस के रूप में सिर्फ 17 हजार 700 रुपए देनी होगी। आमतौर पर ड्रोन का प्रशिक्षण लेने के लिए 50 से 60 हजार रुपए तक की फीस चुकानी होती है। इस सेंटर का पहले मुख्यमंत्री शुभारंभ करने वाले थे। ट्रेनिंग के लिए किसान एप के माध्यम से अप्लाई कर सकते हैं। मुसाखेड़ी स्थित विकास कौशल केंद्र में जाकर ऑफलाइन तरीके से अप्लाई कर सकते हैं। उम्र कम से कम 18 साल होना चाहिए। आधार कार्ड, वोटर आईडी या अन्य कोई भी वैध पहचान पत्र होना चाहिए।
कैंडिडेट्स को 10वीं पास होना चाहिए। ड्रोन प्रशिक्षण 7 दिन का रहेगा। ड्रोन प्रशिक्षण केंद्र में एडमिशन लेने वाले कैंडिडेट्स के लिए विकास कौशल केंद्र पर रहने और खाने की सुविधा निःशुल्क रहेगी। ड्रोन ट्रेनिंग पूरा होने के बाद केंद्र से ही प्लेसमेंट की सुविधा भी दी जाएगी। इंदौर

विकास कौशल केंद्र के अधिकारियों बताया कि, राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी के ड्रोन अभियान से प्रेरणा लेकर इंदौर में ड्रोन ट्रेनिंग सेंटर खोला है। इससे प्रदेश के युवा आधुनिक तकनीक से जुड़कर खेती को लाभ का धंधा बनाएंगे। ड्रोन स्कूल के जरिये युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जो कृषि में ड्रोन के उपयोग के लिए प्रशिक्षित होंगे। कृषि उत्पादन में ड्रोन की मदद से अधिक दक्षता और कम लागत पर काम किया जा सकेगा। इस कदम से कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा और ड्रोन तकनीक से संबंधित नई इंडस्ट्री की नींव रखी जाएगी।

सीएम मोहन यादव ने दिए थे निर्देश
पीएम मोदी के ड्रोन अभियान से प्रेरणा लेकर सीएम मोहन यादव ने ड्रोन की ट्रेनिंग को लेकर जरुरी निर्देश दिए थे। इसके बाद ड्रोन स्कूल इंदौर रिमोट पायलट ट्रेनिंग आगेर्नाइजेशन संचालन के लिए डायरेक्टर जनरल सिविल एविएशन से मान्यता मिल गई है। ड्रोन स्कूल की स्थापना के लिए कृषि अभियांत्रिकी संचालनालय और सेंटर फॉर एयरोस्पेस रिसर्च रिमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन, अन्ना विश्वविद्यालय चेन्नई के साथ एमओयू साइन हुआ है। यह ऑर्गनाइजेशन ड्रोन उड़ाने का प्रशिक्षण देगा है।

एक बैच में 20 प्रतिभागी होंगे
कौशल विकास योजना के तहत युवाओं को इंदौर ड्रोन स्कूल में 7 दिन की ट्रेनिंग दी जाएगी। ड्रोन पायलट लाइसेंस के लिए एक बैच में 20 प्रतिभागियों को ट्रेनिंग प्रदान की जाएगी। ड्रोन पायलट प्रशिक्षण के लिए आवेदक को 17,700 रुपए का डिमांड ड्राफ्ट सहायक कृषि यंत्री इंदौर के नाम पर कार्यालय कृषि यंत्री इंदौर में जमा किया जाना होगा।

ओवर-स्पीडिंग और कट-पॉइंट जानलेवा, मौत का हॉटस्पॉट बनीं कई सड़कें

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल में इस साल दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या में 25त्न की वृद्धि हुई है, क्योंकि पिछले साल की तुलना में इस साल 2,435 सड़क दुर्घटनाओं में 193 लोगों की जान चली गई। यातायात पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, इस साल 1 जनवरी से 31 अक्टूबर के बीच 1,865 लोग घायल भी हुए। 2023 में, 2,498 सड़क दुर्घटनाओं में 155 लोग मारे गए, जबकि इसी अवधि के दौरान शहर में 1,917 लोग घायल हुए। यातायात पुलिस ने कहा कि इस साल दर्ज की गई घातक सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण तेज गति थी। अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि लोगों को यह समझना चाहिए कि शहर की सड़कें उनकी हाई-एंड बाइक और एसयूवी को तेज गति से चलाने के लिए उपयुक्त नहीं हैं, जिनकी अधिकतम गति 150-200 किमी प्रति घंटा है। एक बार फिर, मिसरोद पुलिस स्टेशन का अधिकार क्षेत्र सड़क दुर्घटना में घायलों के मामले में शहर का

सबसे घातक क्षेत्र बनकर उभरा।

मिसरोद में सबसे ज्यादा 22 लोगों की मौत

ट्रैफिक पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, इस साल 1 जनवरी से 31 अक्टूबर के बीच मिसरोद में सड़क हादसों में 22 लोगों की मौत हुई, जो शहर में सड़क हादसों में मरने वालों की सबसे अधिक संख्या है। स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने मिसरोद क्षेत्र में होशंगाबाद रोड को अत्यधिक दुर्घटना संभावित क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया है। दुर्घटनाओं के प्राथमिक कारणों में सड़क के डिवाइडर पर कट पॉइंट और आवासीय कॉलोनियों को मुख्य हाईवे से जोड़ने वाली सड़कें शामिल हैं।

सड़क चौड़ी होने से वाहनों की गति बढ़ी

बीआरटीएस कॉरिडोर को हटाने से स्थिति में काफी सुधार हुआ है, लेकिन सड़क के चौड़ीकरण से वाहनों की गति बढ़ गई है। कई दुर्घटनाएं इसलिए होती हैं क्योंकि आस-पास की कॉलोनियों के निवासी बिना सामने से आने वाले तेज रफ्तार वाहनों की जांच किए लापरवाही से हाईवे पर एंट्री करते हैं। पुलिस ने कहा कि ड्राइवरों को पूरी तरह से रुककर सुनिश्चित करना चाहिए कि सड़क साफ है, और उसके बाद ही हाईवे पर आगे बढ़ना चाहिए।

दुर्घटना संभावित क्षेत्र

सड़क दुर्घटनाओं के मामले में मिसरोद के बाद खजूरी क्षेत्र का स्थान आता है, जहां इस अवधि के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में 20 लोगों की जान चली गई। यहां भोपाल-इंदौर हाईवे, भौरी बायपास और गांव की सड़कों को दुर्घटना संभावित क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया गया है। रातीबड़ तीसरा सबसे घातक क्षेत्र बन गया है, जहां इस साल जनवरी से अक्टूबर तक सड़क दुर्घटनाओं में 13 लोगों की मौत हुई है। इसके बाद कोह-ए-फिजा का स्थान है, जहां सड़क दुर्घटनाओं में 11 लोगों की जान गई, इसके बाद बैरागढ़ और बाग सेवनिया का स्थान है, जहां इस साल सड़क दुर्घटनाओं में 10-10 लोगों की मौत हुई।

चालान भी पिछली बार से अधिक

एक वरिष्ठ यातायात अधिकारी ने बताया कि यातायात पुलिस ने इस साल 2024 में अब तक यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के 63,318 चालान जारी किए हैं, जो इसी अवधि के दौरान 2023 में जारी किए गए चालानों से अधिक है। इस साल हेलमेट न पहनने पर 34,000 से अधिक लोगों पर जुमार्ना लगाया गया, जबकि सीटबेल्ट न पहनने पर 8,800 से अधिक लोगों पर जुमार्ना लगाया गया। सख्ती के बावजूद लोग यातायात नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं।

सड़कों की इंजीनियरिंग में हुई गलतियों का होगा विश्लेषण

डीसीपी (यातायात) संजय सिंह ने कहा कि शहर में होने वाली लगभग 90 प्रतिशत घातक सड़क दुर्घटनाओं में तेज गति मुख्य कारण पाई गई है। इसके अलावा यातायात नियमों और सुरक्षा उपायों का पालन करने में लापरवाही दुर्घटनाओं का कारण बनती है। प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, वाहन अधिक से अधिक एडवांस होते जा रहे हैं और लोग यह महसूस किए बिना उन्हें तेज गति से चलाते हैं कि शहर की सड़कें इतनी तेज गति के लिए उपयुक्त नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण एजेंसियों, बीएमसी, पीडब्ल्यूडी, जिला प्रशासन और यातायात पुलिस की संयुक्त टीमें शहर की सड़कों पर सड़क इंजीनियरिंग में हुई गलतियों का विश्लेषण करेंगी और समस्याओं को दूर करने के लिए काम करेंगी।

पुलिस ने दी समझाइश

पुलिस ने कहा कि यदि सड़क दुर्घटना होती है, तो घायलों को जल्द से जल्द नजदीकी अस्पताल ले जाना चाहिए। तत्काल चिकित्सा देखभाल से जान बच सकती है। लोगों को सड़क दुर्घटना के पीड़ितों की मदद करनी चाहिए यदि वे क्षेत्र से गुजरते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को दोपहिया या कार चलाते समय हमेशा हेलमेट और सीट बेल्ट पहनना चाहिए और शराब पीकर गाड़ी नहीं चलानी चाहिए।

मप्र के सरकारी अस्पतालों में इलाज कर सकेंगे प्राइवेट डॉक्टर

आयुष्मान रोगियों को पहले मिलेगी सुविधा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में मरीजों को उत्तम और विश्वस्तरीय इलाज मिलने की शुरूआत की जा रही है। अब किसी अस्पताल से मरीजों को अन्य अस्पतालों में सिर्फ इसलिए रेफर नहीं किया जा सकेगा कि वहां डॉक्टर नहीं हैं। इसका रास्ता मध्य प्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार ने निकाल लिया है। प्रदेश के जिन अस्पतालों में सर्जरी के लिए ऑपरेशन थियेटर व अन्य संसाधन उपलब्ध हैं, वहां हर तरह के आपरेशन संभव होंगे। विशेषज्ञ की कमी के कारण सर्जरी नहीं रुकेगी। इसके लिए सरकार निजी डॉक्टर्स को अस्पताल बुलाएगी। सर्जरी और एनेस्थीसिया देने के लिए निजी डॉक्टरों की सेवाएं ली जा सकेंगी। सरकार ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं।

डॉक्टर की कमी से नहीं रुकेगा इलाज

सरकार का मानना है कि इस प्रक्रिया का लाभ यह होगा कि जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी डॉक्टरों की कमी से सर्जरी या अन्य इलाज नहीं रुकेगा। आपको बता दें कि सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए सरकार ने यह तरीका इजाद किया है।

भुगतान की दरें भी निर्धारित

हालांकि शुरूआत में यह व्यवस्था आयुष्मान रोगियों के लिए शुरू की गई है। बेहतर रिस्पांस मिलने के बाद अन्य रोगियों को भी इस सेवा का अवसर मिल पाएगा। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त तरुण राठी के अनुसार निजी सेवाएं देने वाले डॉक्टरों के लिए भुगतान की दरें भी निर्धारित कर दी गई हैं। इन्हें भुगतान मासिक आधार पर किया जाएगा।

यह रहेगी रेट लिस्ट

सर्जिकल विशेषज्ञ डॉक्टर्स को संबंधित बीमारी में आयुष्मान योजना में निर्धारित पैकेज की कुल राशि का 21.6 प्रतिशत दिया जाएगा। जबकि एनेस्थीसिया यानि बेहोश करने वाले विशेषज्ञ को 10.8 प्रतिशत दिया जाएगा। सर्जरी करने वाले डॉक्टर की ऑपरेशन के पहले से लेकर फालोअप तक उपचार की संपूर्ण जिम्मेदारी होगी। गौरतलब है कि आयुष्मान योजना में आपरेशन के 99 प्रतिशत पैकेज में राशि दो हजार से अधिक है। सामान्य मानी जाने वाली गठान का आपरेशन पैकेज 2000 रुपये, साइनस की सर्जरी के 5000 रुपये, नसबंदी के दो हजार रुपये है। हालांकि निजी क्षेत्र के डॉक्टर्स मध्य प्रदेश सरकार की इस योजना में कितनी रुचि लेते हैं? यह आने वाले समय में साफ हो पाएगा।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से बाइक सवार तीन दोस्तों की मौत

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल में आरिफ नगर ब्रिज पर दर्दनाक हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार तीन युवकों के टक्कर मार दी। दो युवकों की रविवार रात में ही मौत हो गई, जबकि तीसरे युवक ने सोमवार की सुबह इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। तीनों के शव का हमीदिया अस्पताल में पोस्टमॉर्टम किया गया। युवक ऐशबाग इलाके के थे। तीनों आपस में गहरे दोस्त थे। जवान बच्चों की मौत से ऐशबाग इलाके में लोग गमजदा हैं। छोला मंदिर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 21 वर्षीय समीर खान, 20 वर्षीय अल्फियाज तथा 18 वर्षीय समीर खान ऐशबाग स्टेडियम के पास रहते थे। रविवार रात करीब 11 बजे वे एक ही बाइक पर सवार होकर आरिफ नगर ब्रिज पर मंडी की ओर से आ रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद चालक कार को तेज गति से दौड़ाते हुए भाग निकला। कार के बाइक को अपने चपेट में लेते ही तीनों सड़क गिरे तथा लहुलूहान हो गए। ब्रिज से गुजर रहे लोगों ने एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। तीनों युवकों को तुंरत ही अस्पताल ले जाया गया। यहां पर दो युवकों 20 वर्षीय समीर खान और अल्फियाज खान को मृत घोषित कर दिया। जबकि तीसरे युवक 18 वर्षीय समीर खान का गंभीर रूप से घायल अवस्था में इलाज शुरू किया गया। चंद घंटों के इलाज के बाद सोमवार की सुबह समीर ने भी अस्पताल में दम तोड़ दिया। प्राथमिक जांच के बाद पुलिस का कहना है कि तीनों युवक आपस में गहरे दोस्त थे तथा तकरीबन रोजाना ही साथ में घूमा करते थे। पुलिस का कहना है कि टक्कर मारने वाली कार की पहचान नहीं हो पाई है उसकी पहचान के लिए इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों को देखा जा रहा है। युवकों की मौत की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग अस्पताल पहुंच गए। जवान बेटों की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उनकी मौत के बाद ऐशबाग इलाके में मातम का माहौल है।

एमपी नगर थाने के पास बिक रहा था एमडी ड्रग्स, दो तस्कर पकड़ाए

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। शांति का टापू कहे जाने वाली एमपी के भोपाल शहर को लगता है किसी की नजर लग गई है। यहां लगातार जानलेवा नशे की खेप पकड़ी जा रही है। पिछले दिनों ड्रग्स की फैक्ट्री के पकड़े जाने के बाद सख्त हुई पुलिस लगातार कार्रवाई को अंजाम तक पहुंचा रही है। इस बीच अब भोपाल क्राइम ब्रांच ने एमडी ड्रग्स की एक खेप को पकड़ा है। पुलिस ने ड्रग की तस्करी करने वाले 2 तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। तस्कारों के पास से पुलिस ने 2 लाख रुपए कीमत की 19.7 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की है। पुलिस के अनुसार क्राइम ब्रांच को कहीं से सूचना मिली थी कि एमपी नगर स्थित यस बैंक के सामने दो युवक खड़े हैं। ये लोग नशीला पदार्थ बेचने की फिराक में हैं। पुलिस को जैसे ही भनक लगी कि इन युवकों के पास बड़ी मात्रा में एमडी ड्रग्स हो सकता है। प्रशासन की टीम ने बिना देरी किए त्वरित एक्शन लिया। मामले की गंभीरता को समझते हुए तुरंत पुलिस की एक टीम घटनास्थल पहुंची। फिर उन्होंने बताए गए चेहरों के दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। दोनों ने अपना नाम साजिद खान उर्फ किट्टू (24) निवासी जावरा फाटक जिला रतलाम और नवेद अली (29) निवासी बोरबन स्कूल के पीछे सीआई कालोनी थाना जहांगीराबाद भोपाल बताया। पुलिस ने इन्हें तत्काल हिरासत में ले लिया। पुलिस को दोनों युवकों की तलाशी लेने पर उनके पास सफेद रंग की एयरटाइट पन्नी मिली, जिसके अंदर मटमैला दानेदार पदार्थ रखा था। पुलिस ने जांच की तो यह यह पदार्थ एमडी ड्रग्स निकला, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। जब्त हुए मादक पदार्थ का वजन 19.7 ग्राम और कीमत 2 लाख रुपए बताई गई है।

उमराह पर सऊदी अरब गईं बैतूल की महिला की मौत, घर वापस लाने की जद्दोजहद

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मजहबी यात्रा उमराह के लिए सऊदी अरब पहुंचीं प्रदेश के बैतूल की रहने वाली एक महिला की मदीना में मौत हो गई। उनके इंतकाल के बाद परिजन में से एक व्यक्ति सऊदी अरब रवाना हुए हैं। कोशिश की जा रही है कि उनके पार्थिव शरीर को वापस घर लाया जाए, लेकिन इस प्रक्रिया में लगने वाले समय के चलते उन्हें मदीना में ही सुपुर्द ए खाक करने पर विचार किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक बैतूल से उमराह करने हाजी अकीला बी की एक सड़क हादसे में सोमवार को मौत हो गई। वे सऊदी अरब के जद्दा में पिछले गुरुवार से एक अस्पताल में भर्ती थीं। उनके साथ भोपाल की भी एक हाजी महिला घायल हुई है। जिनकी हालत ठीक बताई जा रही है। अकीला भोपाल से गए 5 हाजियों के ग्रुप में शामिल थीं। जानकारी के मुताबिक बैतूल की रहने वालीं अकीला बी एक माह पहले भोपाल की एक टूर कम्पनी के जरिए उमराह करने के लिए रवाना हुईं थीं। बताया जा रहा है कि वे पिछले सप्ताह सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। टूर ऑपरेटर जाहिद खान ने बताया कि मृतिका अकीला भोपाल से गए टूर में पांच हाजियों के साथ शामिल हुई थीं। उनकी यात्रा पूरी हो गई थी। वे भारत लौटने के लिए जद्दा एयरपोर्ट भी पहुंच गई थीं। लेकिन एयरपोर्ट के पास चालक बस पर नियंत्रण खो बैठा, जिसमें यह बस डिवाइडर पर चढ़कर पलट गई थी। इसमें कई यात्री घायल हुए थे। जिनमें भोपाल के टूर के दो यात्री शामिल थे। जिनमें बैतूल की अकीला बी और भोपाल की नफीसा शामिल हैं। इनमें अकीला बी गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। जिनके बाएं हाथ में चोट आई थी। जिसके लिए उनका मेजर ऑपरेशन करना पड़ा था। लेकिन उन्होंने सोमवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अकीला बी के पारिवारिक सूत्रों ने बताया कि मृतिका के शव को इंडिया लाने के लिए एक परिजन जद्दा पहुंचे है। लेकिन फिलहाल परिवार में फैसला किया जा रहा है कि उनकी देह यहां लाई जाए या फिर उन्हें जद्दा में ही सुपुर्द ए खाक कर दिया जाए। टूर ऑपरेटर ने बताया कि यदि शव इंडिया लाया जाता है तो इसमें लगने वाली प्रक्रिया में दो से तीन दिन या उससे ज्यादा दिन का भी समय लग सकता है। गौरतलब है कि मृतिका अकीला बी बैतूल में पहलवान बाबा दरगाह के खादिम रहे स्व फैज मोहम्मद की पत्नी थीं। साल में एक बार होने वाली हज यात्रा के अलावा पूरा साल उमराह का सिलसिला चलता है।

ग्रीन सिग्नल पर धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रहे स्कूटी सवार को कॉलेज बस कुचला

भोपाल। भोपाल के टीटी नगर थाना इलाके में रविवार रात ग्रीन सिग्नल पर धीमी रफ्तार से बढ़ रही स्कूटी को कॉलेज बस ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बेटी गंभीर रूप से घायल है। हादसे के बाद बस चालक मौके से भाग निकला। घटना नानके पेट्रोल पंप के पास गैमन इंडिया मॉल के सामने हुई। पुलिस के मुताबिक, बस की चपेट में आए 3-4 अन्य लोगों को भी मामूली चोटें आई। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक का नाम हिर्देश अग्रवाल (40) है। हिर्देश प्रोफसर कॉलोनी में रहता था और लखरापुरा में कपड़े की दुकान चलाता था। बेटी अनिका (6) को घूमाने न्यू मार्केट लाया था।

एमपी में बनेंगी व्हाइट टॉपिंग तकनीक से सड़कें, 21 जिलों का हुआ चयन

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश में जल्द ही सड़कें और मजबूत बनेंगी। पीडब्ल्यूडी खराब सड़कों की समस्या से निपटने के लिए व्हाइट टॉपिंग तकनीक अपना रहा है। इस तकनीक से बनी सड़कें ज्यादा टिकाऊ होती हैं और लंबे समय तक चलती हैं। शुरूआत में 21 जिलों की 41 सड़कों पर इस तकनीक का इस्तेमाल होगा। काम इसी महीने शुरू हो जाएगा और चार महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे बारिश में सड़कों के उखड़ने की समस्या से निजात मिलेगी। लोक निर्माण विभाग ने खराब सड़कों की बढ़ती शिकायतों के बाद यह कदम उठाया है। बारिश में सड़कें टूटने से लोगों

को काफी परेशानी होती है। व्हाइट टॉपिंग तकनीक से बनी सड़कें इस समस्या का समाधान करेंगी। इस तकनीक से करीब 108 किलोमीटर लंबी सड़कें बनाई जाएंगी। प्रोजेक्ट नवंबर अंत तक शुरू होकर अगले चार महीनों में पूरा हो जाएगा।

सड़क निर्माण में नई क्रांति

व्हाइट टॉपिंग तकनीक सड़क निर्माण में एक नया मोड़ है। यह तकनीक सड़कों को मजबूत और टिकाऊ बनाती है। इससे सड़कों का रखरखाव भी आसान हो जाता है। यह तकनीक लंबे समय में पैसा भी बचाती है। सरकार का यह कदम प्रदेश की सड़कों की दशा सुधारने में मददगार साबित होगा। इससे लोगों को आवागमन में सुविधा होगी और राज्य के विकास को गति मिलेगी। यह तकनीक भविष्य में सड़क निर्माण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकती है। यह पर्यावरण के लिए भी फायदेमंद है। यह सड़कों को गर्मी से बचाती है. इससे शहरों का तापमान भी कम रहता है। व्हाइट टॉपिंग तकनीक से बेहतर सड़कें और बेहतर भविष्य की उम्मीद है।

लोगों को मिलेगा बेहतर यात्रा का अनुभव

भोपाल में वल्लभ भवन मार्ग और सीएम हाउस मार्ग समेत 14 सड़कों को चिह्नित किया गया है। पीडब्ल्यूडी ने 15 अन्य जिलों में भी एक-एक सड़क पर इस तकनीक का इस्तेमाल करने का फैसला किया है। इन जिलों में इंदौर, नर्मदापुरम, नीमच, बैतूल से लेकर मुरैना, रतलाम, रायसेन, रीवा, सतना,आगर मालवा, उमरिया, खंडवा, गुना, छतरपुर, देवास और हरदा शामिल हैं। इससे इन जिलों की सड़कों की हालत में सुधार होगा। लोगों को बेहतर यात्रा का अनुभव मिलेगा।

जानें क्या है व्हाइट टॉपिंग तकनीक

व्हाइट टॉपिंग तकनीक में पुरानी सड़क की ऊपरी परत हटाकर कंक्रीट की मोटी परत बिछाई जाती है। इसमें एम-40 ग्रेड सीमेंट और फाइबर बुरादा का इस्तेमाल होता है। 6 से 8 इंच मोटी यह परत सड़क को मजबूत बनाती है। भारी ट्रैफिक और खराब मौसम का भी इस पर कम असर होता है। इससे सड़क की उम्र 20 से 25 साल तक बढ़ जाती है। यह तकनीक पर्यावरण के अनुकूल भी है। कंक्रीट की सतह डामर से ज्यादा ठंडी रहती है। इससे रखरखाव का खर्च भी कम आता है।

सम्पादकीय

भारत की आत्मा का प्रतिबिंब है हमारा संविधान

26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारत का संविधान अपनाया गया था। इसके ठीक 2 महीने बाद 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू किया गया था। तब जाकर भारत एक गणराज्य बना था। हमारा संविधान केवल कानूनों का एक संग्रह नहीं है। यह भारत की आत्मा का प्रतिबिंब है। यह हमें अधिकार देता है, तो उसके साथ अपने कर्तव्य भी याद दिलाता है। इसने हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता समेत दूसरी बड़ी आजादी दी है, तो उसकी हदें भी बताई हैं।

26 नवंबर कोई आम दिन नहीं है। यह हर भारतीय के अस्तित्व का आधार संजोए है। क्योंकि यही वो दिन है जब भारत की आत्मा की रूपरेखा, यानी हमारा संविधान अस्तित्व में आया था। तारीख थी- 26 नवंबर 1949 जब संविधान सभा द्वारा भारत का संविधान अपनाया गया था। इसके ठीक 2 महीने बाद 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू किया गया था। तब जाकर भारत एक गणराज्य बना था। हमारा संविधान केवल कानूनों का एक संग्रह नहीं है। यह भारत की आत्मा का प्रतिबिंब है। यह हमें अधिकार देता है, तो उसके साथ अपने कर्तव्य भी याद दिलाता है। इसने हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता समेत दूसरी बड़ी आजादी दी है, तो उसकी हदें भी बताई हैं। भारत के संविधान निर्माता कहे जाने वाले डॉ. भीमराव अंबेडकर ने इस बेहद महत्वपूर्ण दस्तावेद को तैयार करने में अहम भूमिका निभाई थी। उनके साथ संविधान सभा के अन्य सदस्य थे जिन्होंने ये सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश रखी कि हमें एक ऐसा संविधान मिले जो सभी नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता और न्याय प्रदान करे। भारत का संविधान दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। इसे 395 अनुच्छेद, 12 अनुसूचियां और 22 भागों के साथ तैयार किया गया था। बाद में इसमें समय के अनुसार कई संशोधन हुए और इनकी संख्या बढ़ी। हमारा संविधान भारत को एक लोकतांत्रिक देश घोषित करता है, जहां आम जनता सर्वोच्च शक्ति है। यह सभी नागरिकों को धर्म, जाति, लिंग और क्षेत्र के आधार पर समान अधिकार प्रदान करता है। यह भारत को धर्मनिरपेक्ष देश घोषित करता है, जहां हर व्यक्ति को अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता है। यह भारत को संघात्मक ढांचे में ढालता है। यानी देश में शक्तियां केंद्र और राज्यों के बीच विभाजित हैं। याद है हमारे संविधान का आदर्श वाक्य 'हम भारत के लोग' है। यह शब्द अहसास कराते हैं कि भारत की ताकत इसकी विविधता में है। यहां अलग-अलग धर्म, भाषाएं, बोलियां, संस्कृतियां समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। यही चीजें हमें दुनिया के दूसरे देशों से अलग और बेहतर बनाती हैं। संविधान दिवस हमें अपने संविधान की महानता और इसकी रक्षा के प्रति हमारी जिम्मेदारी समझने का स्मरण कराता है। क्योंकि हमारी यही कोशिश न सिर्फ संविधान, बल्कि पूरे देश को मजबूती देगी। नागरिकों के बीच संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने 19 नवंबर 2015 को घोषणा की थी कि भारत सरकार हर साल 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाएगी। इसका पालन राष्ट्र का मार्गदर्शन करने वाले लोकतांत्रिक सिद्धांतों की याद दिलाता है। इस 26 नवंबर को संविधान को अंगीकार करने के 75 साल पूरे हो रहे हैं तो देश 10वां संविधान दिवस भी मना रहा है। संविधान भारत के लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और समतावादी ढांचे को परिभाषित करने वाला आधारभूत दस्तावेज है। पिछले सात दशकों में, इसने राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों के माध्यम से राष्ट्र का मार्गदर्शन किया है, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व सुनिश्चित किया है - जो भारत के शासन के मूल सिद्धांत हैं। भारत के संविधान की प्रस्तावना देश को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित करती है और इसका उद्देश्य सभी नागरिकों के लिए न्याय, स्वतंत्रता और समानता सुनिश्चित करना और राष्ट्र की एकता व अखंडता बनाए रखने के लिए भाईचारे को बढ़ावा देना है। 1948 की शुरुआत में, डॉ अंबेडकर ने भारतीय संविधान का मसौदा तैयार किया और इसे संविधान सभा में पेश किया। 26 नवंबर, 1949 को इस मसौदे को कुछ बदलाव के साथ अपनाया गया था। संविधान दिवस इस दस्तावेज के निर्माताओं को श्रद्धांजलि है। भारतीय संविधान 271 पुरुषों और महिलाओं का काम है जो इसे तैयार करने वाली संविधान सभा का हिस्सा थे। हर तरह से संविधान लाखों लोगों के लिए सदियों से चले आ रहे भेदभाव, आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक बहिष्कार को समाप्त करने वाले एक शक्तिशाली मुक्ति उद्घोषणा के रूप में कार्य करता है।

दुनिया में सबसे खास है भारत का संविधान...

भारतीय संविधान को अपनी व्यापकता, समावेशिता और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य के कारण विश्व में विशेष और अनोखा माना जाता है। भारतीय संविधान विश्व का सबसे लंबा लिखित संविधान है। प्रारंभ में इसमें 395 अनुच्छेद थे (अब 470 से अधिक), जिन्हें 25 भागों और 12 अनुसूचियों में विभाजित किया गया। यह शासन, नागरिक अधिकार, नीति निर्देशक सिद्धांत, संघीय ढांचे और प्रक्रियाओं को विस्तार से परिभाषित करता है, जिससे इसकी स्पष्टता और व्यापकता सुनिश्चित होती है।

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की शासन व्यवस्था को चलाने वाला संविधान अपने आकार और प्रकार में भी सबसे खास और विशाल है। यह लचीला भी है तो कठोर भी है। लचीलेपन का उदाहरण 1950 से लेकर अब तक इसमें 106 संशोधन होना है। जबकि इसकी कठोरता का उदाहरण यह कि इसमें समय के साथ संशोधन तो किए जा सकते हैं मगर इसकी सार्वभौम, धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी गणतंत्र की मूल भावना नहीं बदली जा सकती। अब तक की सबसे बड़ी सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ 1973 में केशवानंद भारती बनाम केरल सरकार के फैसले में स्पष्ट कर चुकी है कि भारत की संसद को संविधान संशोधन के व्यापक अधिकार तो हैं मगर असीमित नहीं हैं और वह भी संविधान की मूल भावना को नहीं बदल सकती। मतलब यह कि संसद सर्वोच्च कानून निर्मात्री होने के बावजूद संविधान के तहत ही है।

हमारे संविधान में विविधता और धर्मनिरपेक्षता का सम्मान किया गया है। मौलिक अधिकार, नीति निर्देशक सिद्धांत और सामाजिक न्याय के प्रावधान इसे अद्वितीय बनाते हैं। यह विभिन्न संविधानों से प्रेरणा लेकर भारत की आवश्यकताओं के अनुसार ढाला गया है। अपनी संशोधन क्षमता और सार्वभौमिक मताधिकार की दृष्टि से यह लोकतंत्र की मिसाल है

भारतीय संविधान को अपनी व्यापकता, समावेशिता और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य के कारण विश्व में विशेष और अनोखा माना जाता है। भारतीय संविधान विश्व का सबसे लंबा लिखित संविधान है। प्रारंभ में इसमें 395 अनुच्छेद थे (अब 470 से अधिक), जिन्हें 25 भागों और 12 अनुसूचियों में विभाजित किया गया। यह शासन, नागरिक अधिकार, नीति निर्देशक सिद्धांत, संघीय ढांचे और प्रक्रियाओं को विस्तार से परिभाषित करता है, जिससे इसकी स्पष्टता और व्यापकता सुनिश्चित होती है।

हमारा संविधान जितना कठोर उतना ही लचीला भी। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 368 संविधान में संशोधन की प्रक्रिया को परिभाषित करता है। यह अनुच्छेद संसद को संविधान के विभिन्न प्रावधानों में संशोधन करने का अधिकार देता है, लेकिन कुछ शर्तों के साथ। इसका उद्देश्य संविधान को समय और परिस्थितियों के अनुसार लचीला और प्रासंगिक बनाए रखना है।

पिछले 74 सालों में इसमें 106 संशोधन हो चुके हैं। जो समय के साथ बदले परिवेश में शासन की आवश्यकतानुसार ढल सकता है। लचीलापन इसे समय के साथ बदलती परिस्थितियों के अनुसार अनुकूल बनाता है। इसमें कुछ प्रावधान साधारण बहुमत से भी बदले जा सकते हैं तो कुछ काफी कठिन प्रक्रिया से गुजरते हैं। यह कठोरता इसे स्थिर और मजबूत बनाती है।

संविधान में संघीय ढांचे में राज्यों और केंद्र के बीच संतुलन बनाए रखा गया है। संविधान ने मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए अदालती समीक्षा की व्यवस्था दी है। इसमें आपातकालीन परिस्थितियों में केंद्र को अधिक शक्ति दी गई है। यह कठोरता और लचीलापन लोकतंत्र की रक्षा करता है। इस दृष्टिकोण से संविधान भारत की विविधता और बदलते समाज के लिए आदर्श बनता है। हमारे संविधान निर्माताओं ने भारत की शासन व्यवस्था को विश्व में सर्वोत्तम बनाने के लिए विश्व की प्रमुख शासन व्यवस्थाओं को संचालित करने वाले बेहतर संविधानों के अच्छे-अच्छे गुण निकाल कर इसमें समाहित किए हैं। जैसे संसदीय प्रणाली ब्रिटेन से ली गई है तो मजबूत केंद्र के साथ संघीय ढांचा कनाडा से लिया गया है। मौलिक अधिकारों की सोच अमेरिका के बिल ऑफ राइट्स से तो नीति निर्देशक सिद्धांत आयरलैंड से लिए गए हैं। इन प्रभावों के बावजूद, इसे भारतीय सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता के अनुसार ढाला गया।

भारत विश्व का सबसे विविधतापूर्ण देश है, जिसमें भाषाई, सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक विविधता को समेटा गया है। भारतीय संविधान ने इस विविधता को संरक्षित करने और हर नागरिक को समानता का अधिकार देने के लिए कई प्रावधान किए हैं। संविधान के अनुसार, भारत में 22 मान्यता प्राप्त भाषाओं को 8वीं अनुसूची में स्थान दिया गया है। विभिन्न राज्यों को उनकी भाषाई और सांस्कृतिक पहचान बनाए रखने का अधिकार दिया गया है। यह संघीय ढांचा सुनिश्चित करता है कि राज्यों को अपनी विशिष्टता का सम्मान करने की स्वतंत्रता मिले। संविधान ने भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राज्य घोषित किया है।

संविधान में हर नागरिक को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार दिया गया है (अनुच्छेद 25-28)। धर्म के आधार पर भेदभाव निषिद्ध है, और यह सुनिश्चित किया गया है कि किसी व्यक्ति को अपने धर्म का पालन करने और प्रचार करने की स्वतंत्रता हो। अल्पसंख्यकों के शैक्षिक और सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा के लिए अनुच्छेद 29 और 30 का प्रावधान किया गया है। सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18) दिया गया है। जाति, धर्म, लिंग, भाषा या जन्मस्थान के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव की सख्त मनाही है। संविधान यह सुनिश्चित करता है कि राज्य और धर्म अलग-अलग रहें।

भारतीय संविधान में मौलिक अधिकार नागरिकों के स्वतंत्रता, समानता और गरिमा की गारंटी प्रदान करते हैं। ये अधिकार संविधान के भाग 3 में अनुच्छेद 12 से 35 तक विस्तृत हैं और लोकतंत्र का मूल आधार हैं। इनमें समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18) जाति, धर्म, लिंग या जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव को समाप्त करता है। स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19-22) नागरिकों को अभिव्यक्ति, आंदोलन, पेशा चुनने और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का संरक्षण देता है। शोषण के खिलाफ अधिकार (अनुच्छेद 23-24) बंधुआ मजदूरी और बाल श्रम को प्रतिबंधित करता है।

धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25-28) सभी को अपने धर्म का पालन और प्रचार करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है। संस्कृति और शिक्षा के अधिकार (अनुच्छेद 29-30) अल्पसंख्यकों को अपनी सांस्कृतिक पहचान और शैक्षिक संस्थान स्थापित करने का अधिकार देते हैं। साथ ही संवैधानिक उपचार का अधिकार (अनुच्छेद 32) नागरिकों को उनके अधिकारों के हनन पर न्यायालय से सीधे अपील करने की अनुमति देता है।

राज्य के नीति निदेशक तत्व संविधान के भाग-4 (अनुच्छेद 36-51) में दिए गए हैं। ये तत्व राज्य को नीति निर्धारण और शासन संचालन में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। हालांकि ये न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं हैं, लेकिन ये देश को सामाजिक और आर्थिक न्याय, समानता, और कल्याणकारी राज्य की दिशा में अग्रसर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनमें समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण, श्रमिकों के अधिकार, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, और आर्थिक समानता जैसे प्रावधान शामिल हैं। इनके अंतर्गत गांधीवादी विचारधारा (स्वराज, ग्राम विकास) और सामाजिक-आर्थिक प्रावधान (मजदूरों की सुरक्षा, समान वेतन) दोनों को शामिल किया गया है। ये तत्व सरकार को यह निर्देश देते हैं कि वे ऐसी नीतियां बनाएं जो गरीबी उन्मूलन, शिक्षा, और सामाजिक न्याय को बढ़ावा दें, ताकि भारत एक समतावादी और कल्याणकारी राष्ट्र बने।

संविधान भारत का संघीय ढांचा मजबूत केंद्र के साथ राज्यों को स्वायत्तता प्रदान करता है। आपातकालीन परिस्थितियों में यह संघीय प्रणाली इकाईवादी बन जाती है, जो शासन में लचीलापन दिखाती है। हमारा संविधान न्यायपालिका को कानूनों की समीक्षा और उन्हें संवैधानिक सिद्धांतों के अनुरूप बनाए रखने का अधिकार देता है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता लोकतंत्र और कानून के शासन को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती है। यह एक जीवंत दस्तावेज है। यह आवश्यकता पड़ने पर संवैधानिक उपचारों का अधिकार संसद को देता है। अनुच्छेद 32 को डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने संविधान का 'हृदय और आत्मा' कहा। यह नागरिकों को मौलिक अधिकारों के प्रवर्तन के लिए सीधे सर्वोच्च न्यायालय में जाने का अधिकार देता है।

कई महिलाओं ने भारतीय संविधान के निर्माण में दिया विशेष योगदान

शिवानी अवस्थी

आजादी से पहले ही 1946 में भारत की संविधान सभा की स्थापना हो गई थी। संविधान सभा के गठन का उद्देश्य लोकतांत्रिक राष्ट्र का निर्माण करना था। इस सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद थे। संविधान का निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर को माना जाता है। वहीं संविधान सभा में पुरुषों के साथ ही कई महिलाओं की भूमिका भी रही। सभा में कई महिलाओं ने भी भाग लिया और अपने विचारों से संविधान निर्माण को समृद्ध किया। इन महिलाओं ने न केवल महिलाओं के अधिकारों के लिए आवाज उठाई, बल्कि एक समावेशी और न्यायपूर्ण समाज की नींव रखने में भी योगदान दिया। संविधान सभा में महिलाओं ने सक्रिय रूप से चर्चा में भाग लिया और कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी राय दी। लैंगिक समानता, सामाजिक न्याय और शिक्षा जैसे विषयों पर महिला सदस्यों ने जोर दिया। आइए जानते हैं संविधान सभा में शामिल इन महिलाओं के बारे में।

अम्मू स्वामीनाथन- केरल के पालघाट जिले की रहने वाली अम्मू स्वामीनाथन ने 1946 में मद्रास निर्वाचन क्षेत्र से संविधान सभा का हिस्सा बनीं। 24 नवंबर 1949 को संविधान के मसौदे को पारित करने के लिए अपने भाषण में अम्मू ने कहा- 'बाहर के लोग कह रहे हैं कि भारत ने अपनी महिलाओं को बराबर अधिकार नहीं दिए हैं। अब हम कह सकते हैं कि जब भारतीय लोग स्वयं अपने संविधान को तैयार करते हैं तो उन्होंने देश के हर दूसरे नागरिक के बराबर महिलाओं को अधिकार दिए हैं।'

सरोजिनी नायडू- सरोजिनी नायडू को 'भारत कोकिला' के नाम से जाना जाता है। हैदराबाद में 13 फरवरी 1879 को सरोजिनी नायडू का जन्म हुआ था। सरोजिनी नायडु भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली भारतीय महिला अध्यक्ष थीं। वहीं उन्हें भारतीय राज्य का गवर्नर भी नियुक्त किया गया था। वे संविधान सभा में महिला अधिकारों की प्रबल समर्थक थीं। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा, समानता और राजनीतिक अधिकारों पर जोर दिया।

बेगम एजाज रसूल- संविधान सभा में एकमात्र मुस्लिम महिला बेगम एजाज रसूल थीं। भारत सरकार अधिनियम 1935 के लागू होने के साथ ही बेगम और उनके पति मुस्लिम लीग में शामिल हो गए और चुनावी राजनीति में उतरे। 1937 के चुनावों में वे यूपी विधानसभा के लिए चुनी गईं। बाद में जब 1950 में भारत में मुस्लिम लीग भंग हुई तो बेगम एजाज कांग्रेस में शामिल हो गईं। 1952 में वे राज्यसभा के लिए चयनित हुईं और 1969 से 1990 तक उत्तरप्रदेश विधानसभा सदस्य रहीं। 1967 से 1971 के बीच बेगम एजाज रसूल सामाजिक कल्याण और अल्पसंख्यक मंत्री रहीं। उन्हें साल 2000 में पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित भी किया जा चुका है।

हंसा मेहता- हंसा मेहता का जन्म बड़ौदा में 3 जुलाई 1897 को हुआ था। उन्होंने इंग्लैंड में पत्रकारिता और समाजशास्त्र की पढ़ाई की। वे सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षिका और लेखिका थीं। 1926 में हंसा को बॉम्बे स्कूल कमेटी के लिए चुना गया। वहीं 1945-46 में हंसा अखिल भारतीय महिला सम्मेलन की अध्यक्ष बनीं। संविधान सभा की सदस्य रहीं और इस दौरान उन्होंने समान नागरिक अधिकारों की वकालत की। हंसा मेहता ने यह सुनिश्चित किया कि संविधान में महिलाओं और पुरुषों को समान अधिकार मिले।

सुचेता कृपलानी- सुचेता कृपलानी आजाद भारत में पहली महिला मुख्यमंत्री बनी थीं। हरियाणा के अंबाला में साल 1908 में जन्मी सुचेता ने 1940 में कांग्रेस पार्टी की महिला विंग की स्थापना की। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में अहम भूमिका निभाई। संविधान सभा में महिलाओं की शिक्षा और उनके राजनीतिक अधिकारों के लिए जोर दिया।

कमला चौधरी- उत्तरप्रदेश के लखनऊ में संपन्न परिवार में जन्मी कमला चौधरी एक प्रसिद्ध लेखिका थीं। उनकी कहानियां महिलाओं पर आधारित होती थीं। 1930 में कमला चौधरी ने महात्मा गांधी के नागरिक अवज्ञा आंदोलन में सक्रियता से हिस्सा लिया। वे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की उपाध्यक्ष रहीं और लोकसभा सदस्य के रूप में चुनी गईं। कमला चौधरी ने भारतीय संविधान में सामाजिक न्याय और महिला सशक्तिकरण के मुद्दों को उठाया।

दुर्गाबाई देशमुख- 15 जुलाई 1909 में जन्मी दुर्गाबाई देशमुख ने महज 12 वर्ष की आयु से समाज सेवा का कार्य शुरू कर दिया था। छोटी सी उम्र में गैर-सहभागिता आंदोलन में भाग लिया। 1936 में दुर्गाबाई ने आंध्र महिला सभा की स्थापना की। इसके बाद वे केंद्रीय सामाजिक कल्याण बोर्ड, राष्ट्रीय शिक्षा परिषद और राष्ट्रीय समिति पर लड़कियों और महिलाओं की शिक्षा जैसे कई केंद्रीय संगठनों की अध्यक्ष भी रहीं। दुर्गाबाई ने संविधान सभा में महिलाओं के लिए विशेष प्रावधानों की मांग की। दुर्गाबाई देशमुख को चौथे नेहरू साहित्यिक पुरस्कार और पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया जा चुका है।

विजया लक्ष्मी पंडित- विजया लक्ष्मी पंडित आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की बहन थीं। उन्होंने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत इलाहाबाद नगर निगम चुनाव से की। 1936 में विजया लक्ष्मी पंडित को संयुक्त प्रांत की असेंबली के लिए चुना गया। 1937 में स्थानीय सरकार और सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्री का पद मिला। वे देश की महिला कैबिनेट मंत्री बनने वाली पहली भारतीय थीं। उन्होंने संविधान सभा में अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण प्रस्तुत किया और महिलाओं की स्थिति को बेहतर बनाने की बात कही।

राजकुमारी अमृत कौर- अमृत कौर का जन्म लखनऊ में 2 फरवरी 1889 में हुआ था। वे कपूरथला के पूर्व महाराज के पुत्र हरनाम सिंह की बेटी थीं। उन्होंने ट्यूबरक्लोसिस एसोसिएशन ऑफ इंडिया और सेंट्रल लेप्रोसी एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट की स्थापना की थी। लीड ऑफ रेड क्रॉस सोसाइटी के गवर्नर बोर्ड और सेंट जॉन एम्बुलेंस सोसाइटी की कार्यकारी समिति की उपाध्यक्ष भी रहीं। संविधान सभा में उन्होंने स्वास्थ्य और महिला अधिकारों से जुड़े विषयों पर जोर दिया। उनके निधन के बाद द न्यूयॉर्क टाइम्स ने अमृत कौर को देश की सेवा के लिए 'राजकुमारी' की उपाधि दी थी।

पूर्णिमा बनर्जी- पूर्णिमा बनर्जी इलाहाबाद में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी की सचिव रहीं। उन्होंने सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन में हिस्सा लिया और जेल भी गईं। संविधान सभा में पूर्णिमा बनर्जी के भाषण का एक सबसे खास पहलू समाजवादी विचारधारा के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता थी। उन्होंने महिलाओं और कमजोर वर्गों के लिए सामाजिक न्याय की बात की। बनर्जी ने शहर समिति के सचिव के रूप में ट्रेड यूनियनों, किसान मीटिंग्स और अधिक ग्रामीण जुड़ाव की दिशा में काम किया था।

एनी मस्कारेन- केरल के तिरुवनंतपुरम में जन्मी एनी मस्कारेन ने महिला और मजदूर वर्ग के अधिकारों की वकालत की। वह एक लैटिन कैथोलिक परिवार से ताल्लुक रखती है। एनी मस्कारेन त्रावणकोर राज्य से कांग्रेस में शामिल होने वाली पहली महिला थीं। बाद में त्रावणकोर राज्य कांग्रेस कार्यकारिणी का हिस्सा बनने वाली भी पहली महिला बनीं। 1939 से साल 1977 कर कई बार उन्हें उनकी राजनीतिक सक्रियता के कारण जेल जाना पड़ा। इतिहास से उनका नाम केरल की पहली महिला सांसद के रूप में भी दर्ज है।

रेणुका रे- रेणुका ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से बीए की पढ़ाई पूरी की। बाद में 1934 में कानूनी सचिव के रूप में कार्य किया। उन्होंने 'भारत में महिलाओं की कानूनी विकलांगता' नामक एक दस्तावेज प्रस्तुत किया था। 1943 से 1946 तक रेणुका केंद्रीय विधान सभा, संविधान सभा और अनंतिम संसद की सदस्य रहीं। साल 1952 से 1957 में रेणुका पश्चिम बंगाल विधानसभा में राहत और पुनर्वास के मंत्री के तौर पर कार्यरत रहीं। संविधान सभा में रेणुका ने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर बल दिया और उनके लिए विशेष प्रावधानों की मांग की।

लीला रॉय -असम के गोलपाड़ा में लीला रॉय का जन्म हुआ था। उनके पिता डिप्टी मजिस्ट्रेट थे। लीला साल 1937 में कांग्रेस में शामिल हुईं, जिसके बाद उन्होंने बंगाल प्रांतीय कांग्रेस महिला संगठन की स्थापना की। लीला रॉय सुभाष चंद्र बोस द्वारा गठित महिला उपसमिति की भी सदस्य बनीं। 1947 लीला रॉय ने पश्चिम बंगाल में एक महिला संगठन और भारतीय महिला संघती की स्थापना की थी। लीला रॉय बंगाल की महिला अधिकारों की प्रखर समर्थक थीं। उन्होंने संविधान सभा में महिलाओं की सामाजिक स्थिति सुधारने पर बल दिया।

मालती चौधरी- मालती चौधरी 16 साल की उम्र में शांति निकेतन चली गईं, जहां विश्व भारती में उनकी भर्ती हो गई। इसके बाद उन्होंने नमक सत्याग्रह में हिस्सा लिया। इस दौरान मालती चौधरी अपने पति संग कांग्रेस में शामिल हुईं और आंदोलन में भाग लेने लगीं। संविधान सभा की सदस्य बन मालती ने महिलाओं के अधिकारों, शिक्षा और स्वास्थ्य पर जोर दिया। वे समाजवादी विचारधारा की समर्थक थीं।

दक्षिणानी वेलायुद्ध- संविधान सभा की एकमात्र दलित महिला दक्षिणानी वेलायुद्ध थीं। उनका जन्म कोच्चि के बोलगाटी द्वीप पर 4 जुलाई 1912 को हुआ था। वे समाज के शोषित वर्गों की नेता थीं। साल 1945 में दक्षिणानी को कोच्चि विधान परिषद में राज्य सरकार द्वारा नामित किया गया। वहीं एक साल बाद 1946 में संविधान सभा के लिए पहली और एकमात्र दलित महिला का चयन हुआ।

विभिन्न मांगों को लेकर जिले की रसोईया बहनों और स्व सहायता समूह की महिलाओं ने सौंपा ज्ञापन

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, प्रांतीय महिला स्व सहायता समूह महासंघ के बैनरतले जिले की रसोईया बहनों और स्व सहायता समूह की महिलाओं ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। सोमवार को डिप्टी कलेक्टर राजकुमार हलदर को सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा एमडीएम स्व सहायता समूह एवं रसोईया बहनों की राशि पूर्व में माह के पहले हफ्ते में एडवांस दी जाती थी, लेकिन वर्तमान में तीन से चार माह याने 100 दिन के बाद राशि दी जाती है वह भी 60 प्रतिशत, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा एमडीएम स्व सहायता समूह एवं रसोईया बहनों की प्रत्येक माह की निश्चित एक दिनांक पर राशि एवं खाद्यान प्रदान किया जाए, वर्ष 2002 से संचालित रसोईया बहने प्रत्येक 25 बच्चों पर एक रसोईया व 101 बच्चों पर चार रसोईया कार्यरत थी, लेकिन 2013 में रसोईया बहनों की संख्या करीब 232000 से अधिक थी, जो घटकर 2 लाख ही बची है इससे यह अनुमान लगाना सरल होगा कि हजारों की संख्या में बहनों का रोजगार छीन गया और अभी भी लगातार रोजगार छिनने का प्रयास जारी है, रसोईया बहनों को शासन द्वारा हटाने पर पूर्ण रोक लगाई जाए ताकि बहनों का रोजगार का साधन बना रहे, महिला बाल विकास विभाग द्वारा आंगनवाड़ी के तहत कार्यरत स्व सहायता समूह एवं रसोईया बहनों को लगातार कर्जदार बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जा रही है, वर्तमान में 5 माह से राशि नहीं दी गई, राशि एवं खाद्यान का तत्काल भुगतान किया जाए, महिला बाल विकास विभाग द्वारा स्व सहायता समूह की राशि कटौती कर रसोइया बहनों को दी जा रही है जिसकी जानकारी दी जाए, स्व सहायता समूह की राशि में से 500 रुपये कटौती कर रसोईया बहनों को दिए जाते हैं, रसोईया बहनों को अलग से राशि प्रदाय की जाए। ज्ञापन देते समय बड़ी संख्या में समूह की महिलाएं मौजूद थीं।

ट्रक में पीछे से कार घुसने पर चालक गंभीर घायल

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, हाईवे पर सामने चल रहे ट्रक से कार टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। इस घटना में कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शाजापुर के उकावता चौकी थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक सडक़ हादसा हो गया जिसमें तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक से जा टकराई। घटना में कार चालक घायल हुआ जिसे उपचार हेतु शाजापुर जिला अस्पताल लाया गया, जहां चालक की हालत गंभीर होने पर उसे प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रैफर किया गया।

स्मार्ट मीटर में गड़बड़ी चेक करने पहुंची इंदौर की टीम, जांच हेतु जप्त किए मीटर

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, घरों के बाहर लगाए गए स्मार्ट बिजली मीटर की चेकिंग करने के लिए इंदौर की टीम किला रोड क्षेत्र में पहुंची, यहां करीब आधा दर्जन मीटर चेक किए गए। इस दौरान मीटर में गड़बड़ी का संदेह होने पर करीब 3 से 4 मिनट को जांच हेतु जप्त किया गया। बिजली कंपनी के शाजापुर जेई रामेश्वर अहिरवार ने बताया कि स्मार्ट मीटर में छेड़छाड़ की जानकारी मिलने पर सोमवार को इंदौर की टीम शाजापुर पहुंची और मीटरों को चेक किया। बिजली कंपनी के अधिकारियों के जांच करने पहुंचने पर क्षेत्र के लोगों में हडक़ंप मच गई। इस दौरान लोगों की भीड़ भी जमा हो गई। अधिकारी ने बताया कि मीटरों की जांच होने के बाद स्पष्ट रूप से पता चल सकेगा कि उनमें किस तरह की गड़बड़ी हुई है। चेकिंग के दौरान बिजली का लोड चेक किया गया। गौरतलब है कि बिजली कंपनी के द्वारा घरों के बाहर इलेक्ट्रॉनिक स्मार्ट जीपीएस बिजली मीटर लगाए गए हैं जिसमें किसी भी तरह की छेड़छाड़ होने पर वह हेड ऑफिस में सिग्नल भेज कर गड़बड़ी की सूचना देते हैं, इसी तरह की सूचना मिलने पर इंदौर की टीम शाजापुर पहुंची और मीटरों की चेकिंग की।

अतिथियों का स्वागत तिलक लगाकर व पुष्पगुच्छ देकर किया गया

दून वैली पब्लिक स्कूल में युग वंदन का हुआ भव्य आयोजन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, सनातन संस्कृति के अभ्युदय से लेकर वर्तमान समय तक के संस्कारों, परम्पराओं एवं युग विशेष की कालजयी घटनाओं को एक सूत्र में पिरोते हुए युगवन्दन के रूप में दून वैली पब्लिक स्कूल के कक्षा प्ले से कक्षा 2 तक के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया, जिसमें विद्यालय के चेयरमैन राजकिशोर गुप्ता जी, स्कूल के डायरेक्टर अनुराग सिंघल और प्रधानाचार्या श्रीमती सीमा शर्मा, श्याम कुमार अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, अरुण गुप्ता तथा विशिष्ट अतिथियों के रूप में बच्चों के दादा-दादी ने सहभागिता की। दीप प्रज्जवलन के इस पावन क्षण ने आयोजन में आध्यात्मिकता और प्रेरणा का समावेश किया । अतिथियों का स्वागत तिलक लगाकर व पुष्पगुच्छ देकर किया गया। शिव स्तुति व सत्यवादी हरिश्चंद्र पर आधारित नन्हें मुन्नों की भव्य प्रस्तुतियों ने सत्य, पवित्रता और सादगी के मूल्यों को प्रदर्शित कर सतयुग को जीवंत कर दिया। त्रेतायुग को भगवान राम और उनके जीवन गाथा से प्रेरित नृत्यों के माध्यम से दर्शाया गया। कृष्ण लीला व महाभारत पर आधारित अभिमन्यु वध प्रस्तुत कर, बच्चों ने द्वापर युग की झलक दिखाते हुए धर्म व भक्ति के गहन संदेश को जन-जन तक पहुँचाया । कलियुग में आधुनिक और वर्तमान जीवन शैली के प्रतिबिम्ब की झलक दिखाते हुए बच्चों ने विभिन्न त्योहारों के माध्यम से वर्तमान समय में अनेकता में एकता के संदेश की जीवंत किया। कार्यक्रम में नन्हें बच्चों की मासूमियत और उत्साह ने दर्शकों का मन मोह लिया। उनकी प्रस्तुतियों ने न केवल सांस्कृतिक शिक्षा का संदेश दिया, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास और टीमवर्क का भी अनुभव कराया। कार्यक्रम के दौरान माता-पिता और अभिभावकों ने बच्चों की कला और प्रतिभा की प्रशंसा की। स्कूल के चेयरमैन राजकिशोर गुप्ता ने इस प्रकार के आयोजनों की सराहना करते हुए कहा कि ये बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों के प्रयासों की भी प्रशंसा की। प्रधानाचार्या श्रीमती सीमा शर्मा ने अपने संबोधन में कहा, युग वंदन का आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास का प्रतिबिंब है। यह कार्यक्रम बच्चों को न केवल अपने सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ता है, बल्कि उन्हें वर्तमान और भविष्य के लिए तैयार भी करता है। हम बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। कार्यक्रम का समापन भव्य ग्रैंड फिनाले के साथ सम्पन्न हुआ। यह आयोजन बच्चों और अभिभावकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहा, जिसने न केवल शिक्षा बल्कि मनोरंजन और सांस्कृतिक चेतना का भी संदेश दिया।

वार्ड 9 में उपचुनाव के लिए 6 लोगों ने किए नाम निर्देशन पत्र दाखिल

कांग्रेस पार्षद अरविंद मालवीय के निधन के कारण हो रहा है उपचुनाव

बरेली। नगर के वार्ड क्रमांक 9 में कांग्रेस के पार्षद अरविंद मालवीय के निधन होने से उप चुनाव हो रहा हैं। उप चुनाव के लिए 9 दिसंबर को मतदान होगा। नगर परिषद में भाजपा का कब्जा है। नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि सोमवार 25 नवंबर तक कुल छः लोगों ने नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए। जिसमें भाजपा के बीफार्म के साथ राजेश कुमार साहू,इसके साथ ही कांग्रेस की और से वार्ड 9 के दिवंगत पार्षद अरविंद मालवीय के सुपुत्र पियूष मालवीय के अलावा राजेन्द्र सराठे, शफीक खान, सुनील कुमार सोनी और संजय चक्रवती ने नाम निर्देशन पत्र दाखिल किए हैं। इन नाम निर्देशन पत्रों की जांच आज मंगलवार 26 नवंबर को होगी और नाम वापिसी की अंतिम तिथि 28 नवंबर गुरुवार हैं। साथ ही 28 नवंबर को ही चुनाव लडने वाले प्रत्याशियों की सूची तैयार कर चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। 9 दिसंबर को मतदान होगा और 12 दिसंबर को मतगणना के साथ चुनाव परिणाम की घोषणा हो जाएगी। यह उपचुनाव वर्ष 2023 की मतदाता सूची के आधार पर ही होना हैं। नगर के वार्ड क्रमांक 9 में बिदुआ कालोनी, श्रीराम कालोनी पुरानी अस्पताल का क्षेत्र और हस्ती नगर शामिल हैं। उपचुनाव में 9 दिसंबर को होने वाले मतदान के लिए चार मतदान केंद्र बनाए गए हैं,जिनमें शासकीय प्राथमिक शाला भवन फ्रीगंज में दो मतदान केंद्र और नर्बदा एजुकेशन वैली स्कूल में दो मतदान केंद्र बनाए गए हैं। आने वाले 9 दिसंबर को वार्ड के कुल 2359 मतदाता, जिनमें 1214 पुरुष और 1145 महिला मतदाता अपने पार्षद को चुनने के लिए मतदान करेंगे। नगर वार्ड क्रमांक 9, जो कि कांग्रेस का वार्ड माना जाता हैं, इस उपचुनाव में यहां के मतदाताओं का क्या रुझान है यह तो मतगणना के बाद घोषित होने वाले चुनाव परिणाम के बाद ही सामने आएगा।

पर्यावरण को बचाने, किसानों की आय बढ़ाने खेती में उन्नत तकनीक अपना रहा सुनेरा का किसान

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर। पर्यावरण को बचाने, किसानों की आय बढ़ाने और खेती में उन्नत की नई तकनीक अपनाकर अन्य कृषकों के लिए जिले के ग्राम सुनेरा के कृषक मनोहरसिंह गोठवाल प्रेरणा स्त्रोत बने हुए हैं। सुनेरा में कलेक्टर ऋजु बाफना ने अपने भ्रमण के दौरान कृषक गोठवाल के खेत का दौरा कर यहां मौजूद ड्रोन पायलट संजय गुर्जर से चर्चा कर पूरी कार्यप्रणाली को विस्तार से जाना। ग्राम सुनेरा के किसान गोठवाल ने बताया कि वे पिछले दो वर्षों से अपने खेतों में पराली नहीं जला रहे हैं। वे फसल कटाई के बाद बचे हुए अवशेषों को रोटावेटर और हल की मदद से खेत में मिला देते हैं। यह प्रक्रिया न केवल पर्यावरण के लिए फायदेमंद है, बल्कि भूमि की उर्वरा शक्ति को भी बढ़ाती है। गोठवाल कहते हैं कि हल से गहरी जुताई करने के बाद एक महीने से डेढ़ माह खेत खाली रहा और बारिश आने के दो हफ्ते पूर्व रोटावेटर करवाने के बाद उन्होंने सारा कचरा खेत में मिलाया और बुआई करी, जिससे उन्हें फसलों में अच्छे परिणाम मिले। यह तरीका उनकी जेब के खर्च को कम करता है और रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटाता है। उन्होने कहा कि पराली जलाने से बचने और भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने का यह एक आदर्श तरीका है। वहीं ड्रोन पायलट संजय गुर्जर ने बताया कि उन्हें इफको द्वारा ड्रोन प्रदान किया गया है, जिसका उपयोग वे खेतों में दवाई स्प्रे के लिए करते हैं। उन्होने बताया कि जिले के किसी भी किसान को अपने खेत में ड्रोन से दवाई का छिडक़ाव करवाने के लिए इफको के अप्रूव किसान उदय ऐप पर अपनी कृषि भूमि की जानकारी दर्ज करनी होती है। इसके माध्यम से किसान आधुनिक ड्रोन तकनीक का लाभ उठा सकते हैं, जिससे किसान उन्हें कॉल कर आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

मोटर साइकिल की आमने-सामने की भिड़ंत में एक युवक की हुई मौत

पिता-पुत्र समेत तीन लोग हुए घायल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ देवबंद (सहारनपुर)। देवबंद-गोपाली रोड पर मोटर साइकिल की आमने- सामने की भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई जबकि पिता-पुत्र समेत तीन लोग घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए ज़िला अस्पताल भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव थीतकी निवासी 24 वर्षीय नूर मोहम्मद पुत्र इलयास बाइक पर सवार होकर देवबंद से गांव लौट रहे थे। नूर मोहम्मद के साथ गांव का ही 13 वर्षीय किशोर साकिब पुत्र नजमुल हसन भी बाइक पर सवार था। जैसे ही वह गांव के निकट पहुंचे तो अचानक सामने से आ रही बाइक से उनकी टक्कर हो गई। जिसमें उक्त दोनों समेत दूसरी बाइक पर सवार गांव थीतकी निवासी ज़ुल्फ़िकार और उनका बेटा हुसैन घायल हो गए। हादसे के बाद घायलों को उपचार के लिए देवबंद सीएचसी में लाया गया, जहां चिकित्सकों ने नूर मोहम्मद को मृत घोषित कर दिया। जबकि तीनो घायलों को गम्भीर अवस्था के चलते हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। दुर्घटना में हुई युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है और गांव में मातम पसर गया। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

राजनैतिक दल बीएलए नियुक्त कर सूची कराएं उपलब्ध :-जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल

जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में फोटोयुक्त विधानसभा निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2025 हेतु जनपद के राजनैतिक दलों से सहयोग प्राप्त करने के प्रयोजन से जनपद के राजनैतिक दलों एवं ईआरओ के साथ समीक्षा बैठक आहूत की गयी। जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि प्रत्येक अर्ह नागरिक को अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य दर्ज कराना चाहिए। कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित नहीं रहना चाहिये साथ ही साथ यह भी ध्यान रखा जाए कि कोई भी युवा, अर्ह बालिका व महिला न छूटने पाए। उन्होंने कहा दावे और आपत्तियां प्राप्त करने के लिए अभी 03 दिन शेष हैं। सभी ईआरओ को निर्देशित किया कि जनपद में जहां कम संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं वहां विशेष ध्यान देते हुए डोर टू डोर जाकर अधिक से अधिक युवाओं और महिलाओं सहित अर्ह के वोट बनवाएं। मनीष बंसल ने बताया कि जनपद में संचालित विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत एकीकृत आलेख्य निर्वाचक नामावलियों का प्रकाशन 29 अक्टूबर को किया जा चुका है। 28 नवंबर तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त किये जाएंगे, इसके साथ ही 09, 10, 23 एवं 24 नवम्बर को विशेष अभियान की तिथियां निर्धारित की गयी थी जो पूर्ण हो चुकी हैं। 24 दिसम्बर तक दावे व आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 06 जनवरी 2025 को किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी ईआरओ सुनिश्चित करें कि कोई भी बीएलओ अनुपस्थित न रहे। वर्तमान मतदाताओं को जागरूक करते हुए व व्यापक प्रचार-प्रसार कराते हुए मै हूँ ना अभियान का संचालन किया जाए। जनपदवासियों को वोटर हेल्पलाईन एप के बारे में जानकारी देते हुए उन्हे अपने मोबाइल फोन में यह एप डाउनलोड करने के लिए प्रेरित करें। समस्त अर्ह नागरिक निर्वाचक नामावली में पंजीकृत हो जाएं एवं निर्वाचक नामावली में दर्ज नाम, पता, लिंग, आयु एवं अन्य प्रविष्टियों में विद्यमान त्रुटियों को दूर कर दिया जाए। डीईओ ने बताया कि ऐसे नागरिक जो 01 जनवरी 2025 को 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के हों या हो जायेंगे और उनका नाम निर्वाचक नामावली में दर्ज नहीं तथा वह भारत के नागरिक है और उस स्थान के सामान्य निवासी है, वह अपना नाम दर्ज कराने हेतु प्रारूप-6 पासपोर्ट साईज फोटो, पते व उम्र सर्टिफिकेट सहित, नाम को सम्मिलित करने एवं हटाने के प्रस्ताव के लिए के लिए आक्षेप हेतु प्रारूप-7, नाम में संशोधन हेतु प्रारूप-8 में आवेदन आलेख्य प्रकाशन अवधि में संबंधित बीएलओ अथवा अपने मतदान केन्द्र पर पदाभिहित अधिकारी को दे सकते है। जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि इस कार्य में निरंतर जनप्रतिनिधियों से संवाद करते रहें। उन्होंने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से आव्हान किया कि वह अपने स्तर से बूथ लेबिल एजेन्ट नियुक्त कर सूची निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध करादें। उन्होंने कहा कि छूटे हुए पात्र एवं अर्ह मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में शामिल कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विशेष पुनरीक्षण के दौरान बीएलओ इस बात का भी ध्यान रखें जिन मतदाताओं विशेषकर बालिकाओं की शादी के उपरान्त दूसरे स्थान पर वोट बन जाता है उनका नाम मतदाता सूची से अपमार्जित कराएं। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार से किसी मतदाता की मृत्यु हो जाने उसका मृत्यु प्रमाण-पत्र प्राप्त करके अथवा अन्य स्थान पर प्रवास करने पर सत्यापन के उपरान्त ही उसका नाम सूची से हटाया जाए। विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत जनपद में 24 नवम्बर तक 37446 फार्म-6, 16724 फार्म-7 और 7312 फार्म-8 सहित कुल 61,482 आवेदन दावे और आपत्तियों के लिए प्राप्त हो चुके हैं। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, सिटी मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार, जिलाध्यक्ष भाजपा महेन्द्र सैनी, जिलाध्यक्ष सपा चौ0 अब्दुल वाहिद, जिलाध्यक्ष अपना दल राजकुमार पंवार, सपा से चौधरी अब्दुल गफूर अन्य राजनैतिक दलों के पदाधिकारी एवं उपजिलाधिकारी व ईआरओ सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

घटियावली में पीएम सूर्य घर योजना के तहत शिविर आज

शंभूपुरा। सावा सबडिवीजन के अंतर्गत घटियावली ग्राम पंचायत में आज 26 नवम्बर को प्रात: 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक पीएम सूर्य योजना अंतर्गत शिविर का आयोजन होगा। जेईएन प्रशांत कुमार सिंह ने बताया कि सरकार की आमजन को राहत के लिए चलाई जा रही पीएम सूर्य घर योजना के तहत घटियावली ग्राम पंचायत में शिविर का आयोजन कर घर पर सोलर लगाने एव उससे होने वाले फायदों के सम्बंध में सम्पूर्ण जानकारी दी जाएगी। शिविर में सभी जनप्रतिनिधि, ग्रामीण पहुचकर सोलर से सम्बंधित जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने बताया शिविर का मुख्य उद्देश्य योजना की जानकारी घर घर तक पहुचाकर आमजन को इस योजना का लाभ पहुँचाना है।

धार जिला परियोजना समन्वयक द्वारा शालाओं का निरीक्षण

स्कूल के क्लासों में जाकर बच्चों से की चर्चा

पीथमपुर - जिला परियोजना समन्वयक जिला धार द्वारा नेशनल अचीवमेंट सर्वे (परख राष्ट्रीय उपलब्धि परीक्षण) के अंतर्गत पिथमपुर नगर पालिका क्षेत्र के सपना कन्वेंट स्कूल ,सेंट फ्रांसिस स्कूल ,लाइफ लाइन स्कूल, न्यू संस्कार स्कूल, अचीवर्स अकैडमी, गौरव पब्लिक स्कूल, न्यू पटेल पब्लिक ,इत्यादि सर्वे में चयनित हुई शालाओं का निरीक्षण किया गया ।जिसमें जिला परियोजना समन्वयक प्रदीप खरे द्वारा प्रत्येक स्कूल की क्लास में जाकर के बच्चों से चर्चा की। राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण संबंधी जानकारी का अवलोकन कर स्पष्ट दिशा निर्देश दिए ।उसके पश्चात

शासकीय माध्यमिक विद्यालय पीथमपुर में अशासकीय विद्यालयों की बैठक रखी गई। जिसमें कक्षा एक से 12वीं तक के बच्चों की अपार आईडी जेनरेट के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अपार आईडी कैसे जनरेट करनी है इसकी ट्रेनिंग दी गई। बैठक में जिला परियोजना समन्वयक प्रदीप खरे, जिला अकादमिक समन्वयक शुभम सर, विकासखंड अकादमिक समन्वय राजेंद्र तिलवे जन शिक्षक प्रहलाद सोलंकी, संकुल सह समन्वयक शुभम जैन आदि उपस्थित थे ।बैठक संकुल प्राचार्य रेखा चौधरी एवं विकासखंड स्त्रोत समन्वयक राजेश शिंदे के निर्देशानुसार रखी गई थी।

आबकारी बरेली द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध फिर कार्यवाही

बरेली ।आबकारी आयुक्त मध्य प्रदेश ग्वालियर द्वारा आदेश अनुसार कलेक्टर रायसेन एवं सहायक आबकारी आयुक्त वंदना पाण्डेय, जिला रायसेन के निर्देशानुसार तथा सहायक जिला आबकारी अधिकारी सुदीप तोमर व सहायक जिलाआबकारी अधिकारी सरिता चंदेल के नेतृत्व में आबकारी उपनिरीक्षक वृत्त बरेली राजेश विश्वकर्मा द्वारा मुखबिर की सूचनाओं के आधार पर अवैध मदिरा विनिर्माण , विक्रय,संग्रहण, कब्जा व परिवहन के विरुद्ध 23 एवम 24 नंबम्बर को ग्राम चार गाँव, नया गाँव, वार्ड नंबर 5 बाड़ी, सिरवारा, बारना डेम किनारे एवं सिंधी कैंप बाड़ी के पीछे नदी किनारे आबकारी स्टाफ के सहयोग से दबिश देकर कुल नो प्रकरण अवैध हाथ भट्टी मदिरा,देशी मदिरा, एवं अवैध महुआ लाहन के प्रकरण पकड़े गए जिसमें कुल 62 लीटर अवैध हाथ भट्टी मदिरा 48 पाव देशी मदिरा एवं शराब निर्माण हेतु तैयार शुदा गुड मिश्रित महुआ लाहन करीबन 960 किलोग्राम जप्त किया जाकर मौके से 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा 2 प्रकरण में आरोपी मौके से फरार हो गए जिस कारण उनकी गिरफ्तारी शेष है। कार्यवाही में अवैध हाथ भट्टी मदिरा एवं गुड़ मिश्रित महुआ लाहन के प्रकरण मध्य प्रदेश आबकारी एक्ट की धारा 34- 1(क) तथा (च) के तहत कायम कर विवेचना में लिए गए आज की कार्यवाही में जप्त मदिरा एवं लाहन का बाज़ार मूल्य ष्ठ 1,12,660/- आंकलित किया गया ।उक्त कार्यवाही में आबकारी आरक्षक रामस्वरूप पटेल, महिला आरक्षक सुश स्वेता शिवहरे एवं

नगर सैनिक लक्ष्मीनारायण एवं सैनिक राकेश शर्मा का सराहनीय सहयोग रहा

सेंट्रल एकेडमी चित्तौड़गढ़ ने किया दो दिवसीय शैक्षिक भ्रमण का सफल आयोजन

शंभूपुरा ।मेवाड़ के गौरवशाली इतिहास की जानकारी देने तथा आध्यात्मिकता से विद्यार्थियों का परिचय करवाने के लिए शहर के प्रतिष्ठित सेंट्रल एकेडमी स्कूल ने दिनांक 23 व 24 नवंबर 2024 को दो दिवसीय शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया। जिसके अंतर्गत पहले दिन विद्यार्थियों को विश्व प्रसिद्ध कुंभलगढ़ किले का भ्रमण करवाया गया तथा कुंभलगढ़ के समृद्ध इतिहास व वीर शिरोमणि तथा वास्तु कला के महान ज्ञाता कुंभा के जीवन से छात्रों को अवगत कराया गया। विद्यार्थियों ने मेवाड़ के गौरवशाली इतिहास के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी ली तथा अपने इतिहास संबंधी ज्ञान को समृद्ध किया। तत्पश्चात् रात्रि में छात्रों के लिए लोक कलाकारों द्वारा राजस्थान की समृद्ध नृत्य कला का प्रदर्शन किया, जिसका सभी विद्यार्थियों ने भरपूर आनंद लिया। इसके पश्चात दूसरे दिन विद्यार्थियों को नाथद्वारा में स्थित विश्वास स्वरूपम के दर्शन हेतु ले जाया गया, जहां उन्होंने भगवान शिव की विशाल प्रतिमा के दर्शन किए तथा उनके शीर्ष तक पहुंच

कर बहुत रोमांचक अनुभव किया। तत्पश्चात् वहां के आध्यात्मिक वातावरण तथा उपवन में बच्चों को घुमाया गया तथा भगवान शिव के जीवन से मिलने वाली शिक्षाओं से विद्यार्थियों को परिचित कराया गया। सभी विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बनता था, सभी ने इस शैक्षिक भ्रमण का भरपूर आनंद लिया।

विद्यालय प्राचार्य परेश नागर ने बताया कि ऐसे शैक्षिक भ्रमण के आयोजन करने के पीछे सेंट्रल एकेडमी विद्यालय का यह लक्ष्य है कि विद्यार्थियों को अपनी ऐतिहासिक धरोहर से परिचित कराया जाए तथा तथा उन्हें अपनी सभ्यता व संस्कृति से जोड़ा जाए। उन्होंने यह भी जानकारी दी की शैक्षिक भ्रमण पूरी तरह से सफल रहा। विद्यार्थियों के मनोरंजन के लिए पूल पार्टी व डीजे पार्टी का भी आयोजन किया गया, जिसका बच्चों ने भरपूर लुत्त उठाया है। विद्यालय आगे भी ऐसे सफल आयोजन करता रहेगा ताकि विद्यार्थी अपने गौरवशाली इतिहास को समझ सकें तथा अपने जीवन में आध्यात्मिकता के मूल्यों को ग्रहण कर सके, जो हमारी सनातन संस्कृति की नींव है।

स्टेट मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप जबलपुर में रामा परते ने 100 मीटर 400 मीटर और 800 मीटर में जीता गोल्ड मेडल

मंडला। 10वीं स्व डॉक्टर एलेन पैट्रिक जॉर्ज मेमोरियल मध्य प्रदेश जबलपुर कॉरपोरेशन स्टेट मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 24/11/2024 को जबलपुर में आयोजित हुआ जिसमें मंडला जिले के विकासखंड मोहगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत कौआडोंगरी के पोषक ग्राम सकरी की रहने वाली मंडला जिले की आदिवासी शेरनी व जिले की शान नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप खिलाड़ी रामा परते ने 100 मीटर 400 मीटर और 800 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल हासिल की तथा उन्होंने 10 वर्षों से दौड़ में गोल्ड मेडल गोल्डन गर्ल का किताब जीतते आ रही है तथा नेशनल में अपना रिकॉर्ड बनाया है तथा इनकी इसी उपलब्धियां को देखते हुए खेल विभाग तथा जबलपुर संस्कारधानी महाकौशल खेल रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। जिसमें विक्रम अवार्ड परमजीत सिंह मुख्य संरक्षक मिस्टर वर्ल्ड अनुज कुमार, डॉक्टर जोलन पैट्रिक, जोधा सिंह, श्री एम जॉर्ज, कोषाध्यक्ष श्री जोधा सिंह, सचिव व जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी रविंद्र ठाकुर, मास्टर एथलेटिक्स मंडला के अध्यक्ष सुश्री मिली सिंह, नारायण प्रसाद भवेदी वरिष्ठ अध्यापक, दीपक परते, अशोक वरकडे, टिर्रु लाल परते, भैया लाल वरकड़े, राम भजन परते, नंदू लाल परते, समाजसेवी श्री हीरा सिंह उइके, सीताराम उइके, मिश्रीलाल भवेदी, मदन मरावी, कमलेश परते, रवि परते, सेवक राम वरकड़े, बसंत बैरागी, यशवंत बैरागी सहित क्षेत्र के समस्त शुभचिंतकों व खेल प्रेमियों ने नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप खिलाड़ी रामा परते को बधाई तथा शुभकामनाएं दिए।

सेंट्रल एकेडमी विद्यालय को मिला वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान

शंभूपुरा।सेंट्रल एकेडमी चितौड़गढ़ की दो छात्राओं गौरिका चौधरी और कीर्तिराज झाला ने हिंद जिंक स्कूल द्वारा आयोजित इंटर-स्कूल अंग्रेजी वाद-विवाद प्रतियोगिता 2024-25 में पक्ष और विपक्ष दोनों में प्रथम स्थान हासिल किया। वाद विवाद प्रतियोगिता का विषय था नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रिंसिपल परेश कुमार नागर ने दोनों छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उनकी असाधारण मेहनत, वाक्पटुता और आत्मविश्वास का परिणाम है । साथ ही उन्होंने विद्यालय के कर्मठ मार्गदर्शक शिक्षकों को साधुवाद देते हुए कहा कि आप लोगों के मार्गदर्शन में छात्र इसी प्रकार ऊंची उड़ान भरते रहेंगे और हर जगह अपनी छाप छोड़ते रहेंगे।

नालियों का गन्दा पानी पीने को मजबूर घटियावली के ग्रामीण, आंखे मूंदे बैठे जिम्मेदार

शंभूपुरा।घटियावली गांव में लोगों को नालियों का गंदा पानी पीना पड़ रहा है, बावजूद इसके जिम्मेदारो के कानों जु तक नही रेक रही। सुभाष चौक ग्रामीण बैंक घटियावली के सामने से कुछ लोगों ने बताया कि हमारे घर पर लगभग पिछले कई दिनों से नालियों का पानी आ रहा है जिसमें कीड़े भी आ रहे हैं हमने प्रशासन को विभाग को सूचित किया है लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही, यहां तक की चित्तौड़गढ़ के बड़े-बड़े जनप्रतिनिधि जिनको भी कई बार इस समस्या से अवगत करवाया है, लेकिन उनका भी विभागीय अधिकारियों पर जोर नहीं चलता दिख रहा, ग्रामवासी और मोहल्ले वासियों ने बताया कि अगर अगली बार इस तरीके से नालियों का पानी पीने के पानी में आया तो हम सभी ग्रामीण जन विभाग के ठेकेदार व अधिकारियों पर कोर्ट केके माध्यम से कार्यवाही करेंगे, एवं कलेक्ट्रेट पर धरना प्रदर्शन करेंगे जिसका जिम्मेदार प्रसासन एव विभाग होगा।

पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जोन (ग्रामीण) अनुराग ने किया बुरहानपुर जिले का वार्षिक निरीक्षण श्रीमान द्वारा पुलिस लाईन में परेड निरीक्षण

बलवा परेड रिहर्सल उपरांत पुलिस लाईन का निरीक्षण कर सैनिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कर्मचारियों की समस्याओं का कियानिराकरण अच्छे कार्य व अच्छे टर्नआउट रखने वाले पुलिस अधिकारियों / कर्मचारियों को किया पुरुस्क

बुरहानपुर बुरहानपुर, दिनांक 24.11.2024 पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जोन (ग्रामीण) अनुराग का बुरहानपुर जिले में वार्षिक निरीक्षण हेतु आगमन हुआ, जहां पर पुलिस अधीक्षक बुरहानपुर ,अति0 पुलिस अधीक्षक, नगर पुलिस अधीक्षक बुरहानपुर द्वारा पुमनि का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।

दिनांक 25.11.24 को प्रातः 9ः00 बजे पुलिस लाईन बुरहानपुर पहुंचकर परेड की सलामी ली एवं परेड का निरीक्षण कर अच्छे टर्न-आउट वाले पुलिस अधिकारियों / कर्मचारियों को पुरूस्कृत किया।जनरल परेड के पश्चात श्रीमान द्वारा पुलिस लाईन परेड ग्राउंड में आयोजित बलवा परेड रिहर्सल का निरीक्षण करते हुये बलवा परेड रिहर्सल का महत्व, रिहर्सल के दौरान सीखी जाने बाली बारीकियों एवं कानून व्यवस्था स्थिति निर्मित होने पर प्रक्रिया को अमल में लाने के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में बारीकी से बतलाया गया एवं सुरक्षा व्यवस्था संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

तत्पश्चात् पुलिस विभाग की वाहन शाखा परेड एवं शासकीय वाहनों का निरीक्षण कर वाहन शाखा प्रभारी को छोटी छोटी कमियों को दूर करने संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

इसके बाद पुलिस लाईन स्थित परिसर में सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस अधीक्षक बुरहानपुर देवेंद्र पाटीदार द्वारा पुमनि का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया।सैनिक सम्मेलन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नगर पुलिस अधीक्षक राजपत्रित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे पु.म.नि द्वारा पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों की समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण किया गया एवं सुझाव भी प्राप्त किये गये जिले मैं फोर्स को रोकने के लिए शासकीय भवन संबंधी प्रस्ताव बनाकर भेजने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान पु.म.नि ने अपने उदबोधन में उपस्थित अधिकारी/कर्मचारियों को वर्क लाइफ बैलेंसिंग के बारे में समझाइश देते हुए कहा अपने कार्य के प्रति एवं अपने परिवार की जिम्मेदारी निभाने, में रिस्पांसिबल रहे अपने खाने-पीने का ध्यान रखने एवं बैंक में अपना पुलिस सैलरी पैकेज में अपना सैलरी एकाउंट रजिस्टर्ड करने की समझाइश दी। इसके उपरांत रक्षित निरीक्षक कार्यालय की स्टोर, कैश एवं आर्म्स शाखा दिशा लर्निंग सेंटर का निरीक्षण किया।इसके बाद पु.म.नि ने कंट्रोल रुम में अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली गई एवं प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया- लंबित अपराधों की समीक्षा कर निराकरण करने लंबित चालान की समीक्षा कर अधिक से अधिक चालान निराकरण करने गुम इंसान, बालक, बालिकाओं का पता कर दस्तयाब करने शिकायतों का अधिक से अधिक निराकरण करने अनुसूचित जाति/जनजाति के विरुद्ध घटित अपराधों में त्वरित कार्यवाही करने लंबित खात्मा ,खारिज़ी की समीक्षा पश्चात आवश्यक कार्यवाही करने ।लघु अधिनियम , जुआ एक्ट, आबकारी एक्ट, आर्म्स एक्ट आदि की समीक्षा एवं प्रभावी कार्यवाही करने सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों को यथाशीघ्र संतुष्टि पूर्वक निराकरण करने स्थाई वारंटो की तामील कराकर वारंटी को न्यायालय में पेश करने ।वाहन दुर्घटना पर नियंत्रण हेतु ब्लैक स्पॉट चिन्हित करने हेतु निर्देश दिए चोरी नकाबजनी वाहन चोर गिरोह को पकड़ने हेतु टीम बनाने हेतु निर्देश दिए गए ।प्रतिबंधात्मक कार्यवाही में अंतिम बाउंड अवर कार्यवाही आवश्यक करने हेतु निर्देश दिए गए

सुखमय जीवन जीने तथा आत्मीक और आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति कराती हैं भागवत - सोलंकी

ग्राम बर्डिया राठौर में भागवत ज्ञान गंगा की पूर्णाहुति के अवसर पर उमड़ा भक्तों का सैलाब

भागवत प्रवक्ता श्री व्यास का साफा शाल श्रीफल हार से स्वागत

जन प्रतिनिधियों और प्रशासन की भूमिका का माना आभार

आलोट- मनुष्य देह मिलना और इस देह के माध्यम से भगवत भक्ति करना, पूर्व जन्मों में किये गये कई उत्तम कर्मो का परिणाम है। इसी सुखमय जीवन जीने तथा आत्मीक और आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति हमें भागवत महारानी कराती हैं। मनुष्य अपने जीवन में अच्छे बुरे कई उतार चढ़ाव सुख दुःख कठिनाइयों का सामना करते हुए उत्तम पद को प्राप्त करता है। उक्त उद्गार भारतीय जनता पार्टी नैत्री पूर्व जनपद सदस्य और एडवोकेट नीलम जितेन्द्रसिंह सोलंकी ने विधानसभा आलोट क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम बर्डिया राठौर में आयोजित विगत सात दिवसीय भागवत ज्ञान गंगा की पूर्णाहुति के पावन अवसर पर कही। इस भागवत कथा रस पान मे मानव जीवन को सफल बनाने और मानव जीवन के उद्देश्यों का सम्पूर्ण सार तथा वर्तमान में भागवत कथा सुनने और कराने से मानव का उद्धार और भव सागर से किस प्रकार पार पाया जा सकता है, महत्वपूर्ण बिन्दुओं की व्याख्या कथा संगीत भजनो दृष्टांतों के माध्यम से भक्ति का अलख जगाने वाले भागवत कथाचार्य प्रवक्ता पंडित बद्रीप्रसाद व्यास का शाल श्रीफल पुष्प मालाओ के साथ साफा पहनाकर सम्मानित कर आशीर्वाद लिया। भागवत ज्ञान गंगा यज्ञ में आस पास के अनेक गांवों से भक्तों के सैलाब की निराली छटा देखते ही बनती थी। सात दिवसिय भागवत कथा के लिए भूमि उपलब्ध कराने और सफलतापूर्वक संपन्न होने में क्षैत्रिय विधायक चिन्तामणी मालवीय का विशेष योगदान रहा साथ ही आलोट अनुविभागीय अधिकारी सुनिल जायसवाल, तहसीलदार, पुलिस प्रशासन विभाग की महती भूमिका सराहनीय रही। इस अवसर पर भाजपा जोगणिया माता मंडल अध्यक्ष शान्तिलाल पाटीदार, सरपंच पर्वत सिंह यादव मोरिया, ग्राम पटेल ठाकुर महिपाल सिह राठौर, भूपेन्द्र सिह खजुरीदेवडा, बापू सिह बाजपूर, जसवन्त सिह राठौर, रतनलाल हाडा, रामचन्द्र हाडा, सत्यनारायण प्रजापति, मनोज राठौर, अन्दरलाल चौधरी, नारायलाल चौधरी, बाबूलाल हाडा, कालू सिह राठौर, दयाराम हाडा, महावीर हाडा, नेपाल हाडा, विजय हाडा, रितेश हाडा, लखन हाडा, रोहित हाडा, शंकरगिर गोस्वामी, घनश्याम परमार, कैलाश चौधरी, सोहनलाल चौधरी, पूरालाल हाडा, बालाराम हाडा, मिश्रीलाल हाडा, प्रहलाद हाडा, पंकज हाडा, मनोज, अर्जुन, लोकेश हाडा, अनिल हाडा, मिठू सिंह लोगनी सहित सैकडो माता बहनो ने कथा अमृत का लाभ लिया। नीलम जितेन्द्रसिंह सोलंकी द्वारा विधायक चिन्तामणी मालवीय, शासन प्रशासन और क्षेत्र वासियों जनता जनार्दन का आभार व्यक्त किया गया।

28 नवंबर को निकलेंगी सशक्त पत्रकार समिति की बाइक महारैली, प्रदेश अध्यक्ष उमेश जंगाले ने वीडियो संदेश जारी कर सभी पत्रकारों को रैली में शामिल होने का आग्रह किया

बुरहानपुर

बुरहानपुर। प्रदेश के पत्रकारों की विभिन्न लंबित 10 सूत्री मांगों को लेकर सशक्त पत्रकार समिति के बैनर अंतर्गत बुरहानपुर में द्वितीय वर्ष भी बाइक महारैली एवं ज्ञापन का कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमें सशक्त पत्रकार समिति के प्रदेश अध्यक्ष उमेश जंगाले ने जिले के समस्त पत्रकारों को वीडियो संदेश जारी कर रैली में शामिल होने के लिए आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि 10 सूत्री मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा, जिसमें पत्रकार अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर एक जागरूक और सक्रिय पत्रकार होने का परिचय देते हुए बाइक महारैली में शामिल रहे। वहीं उन्होंने बताया कि बाइक महारैली शाही किले से प्रारंभ होकर शहर के फूल चौक, गांधी चौक, कमल तिराहा, तहसील कार्यालय, जयस्तंभ से शंनवारा गेट से होते हुए सिंधी बस्ती चौराहा से कलेक्टर कार्यालय में समाप्त होंगी। बाईक महारैली कार्यक्रम में दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक, नेशनल न्यूज़ चैनल, एमपी सीजी चैनल, यूट्यूबर, न्यूज़ पोर्टल, टीवी एंकर, कैमरामैन पत्रकार एवं विभिन्न पत्रकार संगठनों के जिला अध्यक्ष रैली में सम्मलित होकर रैली को सफल बनाए।

सामूहिक विवाह एवं निकाह कार्यक्रम 8 दिसम्बर को

बुरहानपुर-शासन की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत जिले में 8 दिसम्बर, 2024 को सामूहिक विवाह/निकाह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर सामूहिक विवाह कार्यक्रम रेणुका माता मंदिर रोड कृषि उपज मंडी समिति बुरहानपुर में आयोजित रहेगा। वहीं सामूहिक निकाह कार्यक्रम का आयोजन खण्डवा रोड कृषि उपज मंडी समिति बुरहानपुर में होगा।

विश्व दिव्यांग दिवस 3 दिसम्बर-विभिन्न गतिविधियों का होगा आयोजन

बुरहानपुर-सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा 3 दिसम्बर, 2024 को विश्व दिव्यांग दिवस पर शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय बुरहानपुर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है। उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग श्री दुर्गेश दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि, कार्यक्रमों में दिव्यांग छात्र-छात्राएँ सहभागिता करेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम अंतर्गत ट्राईसिकल रेस, निबंध प्रतियोगिता (स्वच्छ भारत, भारत में सामाजिक न्याय हेतु प्रावधान), चित्रकला (पर्यावरण संरक्षण, भारत का त्यौहार, आज का भारत), रंगोली, सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रदर्शनी का आयोजन भी रहेगा। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में यह कार्यक्रम आयोजित रहेगा।

उपभोक्ता अधिकार संगठन बुरहानपुर पदाधिकारीयो ने प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी से सैजन्य भेट

26 नवंबर संविधान दिवस को हर्षोल्लाह से बनाने का दिया आदेश

बुरहानपुर - उपभोक्ता अधिकार संगठन के जिला अध्यक्ष दिनेश मोहन पाटील के नेतृत्व में उपभोक्ता अधिकार संगठन बुरहानपुर के पदाधिकारीयो ने प्रदेश कार्यालय भोपाल पहुंच कर माननीय प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी जी से सौजन्य भैठकर संगठन की रूपरेखा एवं गतिविधियों को चलाने के लिए विशेष मुलाकात प्रदेश कार्यालय भोपाल में की और उपभोक्ता अधिकार संगठन प्रदेश अध्यक्ष माननीय अरुण कुमार तिवारी जी द्वारा संगठन की विस्तृत जानकारी एवं मार्गदर्शन किया गया एवं निर्देश दिए गऐ की 26 नवंबर संविधान दिवस को बड़े हर्ष उल्लास के साथ बुरहानपुर में बनाने का आदेश दिया एवं पूर्व संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय श्री डीपी शर्मा जी का छाया चित्र संगठन के पदाधिकारीयो को प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी जी द्वारा भेट की प्रदेश में उपभोक्ता अधिकार संगठन बुरहानपुर जिले में निष्पक्ष व विश्वसनीय तरीके से उपभोक्ताओं के हित मे समय-समय पर कार्य कर रहा है और जिले में उपभोक्ताओ की समस्याओं को लेकर एवं आगे भी कार्य करता रहे इसी तरह बुरहानपुर के सभी पदाधिकारीयों को माननीय प्रदेश अध्यक्ष द्वारा शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई एवं आगे भी संगठन सुचारू रूप से चला कर उपभोक्ताओं के हित के लिए कार्य करें एवं उपभोक्ताओं को जागरूकता एवं न्याय दिलाऐ एवं बुरहानपुर में सराहनीय कार्य करने पर सभी पदाधिकारीयो को शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की गई एवं प्रशंसा की गई। इस दौरान उपस्थित संगठन पदाधिकारी दिनेश मोहन पाटील ,प्रीतम महाजन ,संतोष पाटिल ,गौरव पुणीवाला, गोपाल कालेकर ,रेखा पुणीवाला, प्रिया पुणीवाला ,आदि मौजूद रहे

ग्राम हतनुर में विधिक जागरूकता सह साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

बुरहानपुर , मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर की कार्ययोजना अनुसार एवं माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती आशिता श्रीवास्तव के नेतृत्व एवं सचिव/जिला न्यायाधीश श्रीमान इन्दु कान्त तिवारी के मार्गदर्शन में श्रीमती आरती गौतम न्यायिक मजिस्ट्रेट, एवं सुश्री शिवानी अग्रवाल, न्यायिक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में शासकीय स्कूल ग्राम हतनूर में उपस्थित बच्चों के मध्य विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में वरिष्ठ पैरालीगल वॉलंटियर एवं कुटुंब न्यायालय के परामर्शदाता महेंद्र जैन एवं पेरालिगल वोलेनटियर डॉ फौजिया सोडावाला व स्कूल के शिक्षक ङ्क शिक्षिकाए एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।विधिक जागरूकता शिविर को संबोधित करते हुए न्यायिक मजिस्ट्रेट आरती गौतम ने कहा की वर्तमान समय में साइबर क्राइम से संबंधित अपराध हो रहे है इस हेतु हमे सजग और जागरूक रहने की आवश्यकता है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया की जब भी कोई अनजान काल या मेसेज या ओ टी पी आये तो उसे ना उठाये और ना किसी से शेयर करे। न्यायिक मजिस्ट्रेट आरती गौतम ने कहा की वर्तमान समय आई टी का युग है और इस युग में अपनी निजी जानकारी किसी को ना बताये ना शेयर करे। विधिक जागरूकता शिविर को संबोधित करते हुए न्यायिक मजिस्ट्रेट शिवानी अग्रवाल ने बताया की जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय बुरहानपुर के अंतर्गत विधिक सहायता व् सलाह प्राप्त की जा सकती है और साथ ही साथ नालसा के द्वारा चालाई जा रही विभिन्न योजनाओ का आवेदन देकर लाभ लिया जा सकता है। नालसा हेल्प लाइन न. 15100 का लाभ दूरस्थ व्यक्ति भी ले सकते है। अंत में आभार शाला प्रभारी प्राचार्य ने माना ।

राज्य आजीविका मिशन के रोजगार मेले में 122 बेरोजगारो में से 96 युवक व युवतियों का चार कंपनियों में चयन

बाग

बाग - मध्यप्रदेश शासन की रोजगार उन्मुखी नीति के अंतर्गत बेरोजगार युवक युवतियों के लिए रोजगार मेले का आयोजन सोमवार को आजीविका भवन बाग बायपास पर हुआ । जिस मेले मे कुल 122 बेरोजगार युवक युवतियों का पंजीयन हुआ व 96 का चयन हुआ अलग अलग कम्पनी मैं । प्रतिभा सिंटेक्स पीथमपुर,महिमा फाइबर भीलगांव ,वजीर स्किल डीडीयूजीकेवाय एवं जल आई सी मनावर , की कम्पनी आई थी कम्पनी से आए कर्मचारियों ने युवक युवतियों को विस्तार से अपनी अपनी कम्पनी के बारे में समझाया ओर विस्तृत जानकारी दी यह मेला मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजिविका मिशन के तहत आयोजित किया गया था मेला सुबह से शाम चार बजे तक रहा जिसमें अधिकतर युवक युवतियों ने आकर अपना पंजीयन करवाया मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजिविका बाग के द्वारा मेले का प्रचार प्रसार भी किया नगर से लेकर ग्रामीण क्षैत्रो तक । इस दौरान जिला प्रबंधक श्रीमती सरोज पाटीदार,ब्लाक प्रबंधक दिनेश डोरिया, सहायक प्रबंधक सिमा चौहान,सुनिल परमार आदि समस्त स्टाफ एवं समुह की महिलाएं उपस्थित थी ।

पुतिन की नई रणनीति और ड्रोन हमले तेज

रूस-यूक्रेन युद्ध का सबसे भीषण दौर शुरू

इंटरनेशनल डेस्क। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध का सबसे भीषण चरण अब शुरू हो गया है। यूक्रेन को अमेरिकी हथियार सप्लाई में कमी और राष्ट्रपति जेलेंस्की का भविष्य अनिश्चित होने से रूस को फायदा हो रहा है। वहीं रूस की सेना ने अपनी आक्रामकता बढ़ा दी है खासकर पूर्वी और दक्षिणी यूक्रेन में। रूस की सेना कीव की ओर भी अपनी घेराबंदी तेज कर रही है। इस रणनीति को ऑपरेशन 20 जनवरी कहा जा रहा है जो पुतिन की सेना का प्रमुख मिशन बन चुका है। रूस की सेना अब यूक्रेन के इलाके पर कब्जा करने के लिए अपनी रणनीति को तेज कर रही है। रूस ने पिछले 24 घंटों में यूक्रेन के कई इलाकों पर बमबारी और आक्रमण किए हैं। इस दौरान ड्रोन हमलों का सहारा भी लिया जा रहा है। रूस ने यूक्रेन पर 73 ड्रोन हमले किए जिनमें से 50 को यूक्रेन ने नष्ट कर दिया। रूस ने कीव, सूमी, पोल्टावा और चर्कासी जैसे इलाकों को निशाना बनाया जिनमें से कीव पर 16 ड्रोन हमले किए गए।

यूक्रेन की सेना ने ड्रोन हमलों से बचाव के लिए अब रिहायशी इमारतों पर एंटी-ड्रोन नेट लगाने शुरू कर दिए हैं। इसका उद्देश्य ड्रोन से होने वाले नुकसान से इमारतों को बचाना है, क्योंकि यूक्रेन को डर है कि रूस जल्द ही कीव की घेराबंदी कर सकता है।

रूस का दावा है कि अब तक 25 फीसदी यूक्रेन पर उसका कब्जा हो चुका है। हाल ही में डोनेस्क और खारकीव के 300 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर रूस ने कब्जा किया है। रूस की सेना पोक्रोव्सक जैसे महत्वपूर्ण शहरों को भी घेरने की योजना बना रही है।

इस आक्रामकता के पीछे रूस का मुख्य उद्देश्य 2024 में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने से पहले ज्यादा से ज्यादा इलाकों पर कब्जा करना है ताकि रूस बातचीत की टेबल पर मजबूत स्थिति में रहे। माना जा रहा है कि ट्रंप रूस-यूक्रेन विवाद को हल करने के लिए कड़ी कोशिश कर सकते हैं और इसलिए रूस ने अब युद्ध की गति बढ़ा दी है।

अंत में कहा जा सकता है कि रूस और यूक्रेन के बीच यह युद्ध फरवरी 2022 से चल रहा है और इसका भविष्य अभी भी अनिश्चित है। दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है और यह स्थिति कब तक चलेगी यह कहना मुश्किल है।

लाल सागर में डूबी पर्यटकों की नौका, 16 लोग लापता

इंटरनेशनल डेस्क. मिस्र के लाल सागर क्षेत्र में पर्यटकों से भरी एक नौका के डूबने से कम से कम 16 लोग लापता हो गए हैं। यह घटना तटीय शहर मार्सा आलम के दक्षिण में हुई, जहां बचावकर्मियों ने 28 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। वहीं कुछ घायलों को इलाज के लिए हवाई मार्ग से अस्पताल भेजा गया है।

लाल सागर के गवर्नर अम्र हनाफी ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि नौका पर कुल 44 लोग सवार थे, जिनमें 13 मिस्र के नागरिक और 31 विदेशी पर्यटक थे। इनमें अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन, पोलैंड, बेल्जियम, स्विट्जरलैंड, फिनलैंड, चीन, स्लोवाकिया, स्पेन और आयरलैंड के नागरिक शामिल थे। नौका का नाम %सी स्टोरी% था और उसमें कोई तकनीकी समस्या नहीं थी। यह नौका सभी आवश्यक परमिट प्राप्त करने के बाद यात्रा पर निकली थी और इसकी आखिरी बार मार्च में सुरक्षा जांच की गई थी।

प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, नौका एक बड़ी लहर के कारण पलट गई। गवर्नर ने यह भी बताया कि सोमवार को सूर्योदय से कुछ पहले ही बचावकर्मियों को इस हादसे की जानकारी मिली और तुरंत राहत कार्य शुरू कर दिया गया। इस नौका का निर्माण 2022 में हुआ था और इसमें अधिकतम 36 यात्री बैठ सकते थे, लेकिन उस दिन 44 लोग सवार थे। यह नौका पांच दिन की यात्रा पर निकली थी, जो मार्सा आलम से शुरू हुई थी। मिस्र की सेना और स्थानीय बचाव दल मिलकर इस अभियान का समन्वय कर रहे हैं। हालांकि, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है कि नौका किस कारण से डूबी। इस घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं, खासकर संघर्षों के कारण कई पर्यटक कंपनियों ने लाल सागर की यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया है या उसे सीमित कर दिया है।

ग्रेटर नोएडा की फर्नीचर फैक्ट्री में लगी आग, 3 मजदूरों की गई जान

नेशनल डेस्क. ग्रेटर नोएडा के एक फर्नीचर निर्माण कारखाने में मंगलवार को भीषण आग लग गई, जिसमें तीन मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि मजदूरों को बचने का कोई मौका नहीं मिला। घटना के बाद पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। हालांकि, तब तक तीन मजदूरों की मौत हो चुकी थी। काफी प्रयासों के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया।

एडिशनल डीसीपी अशोक कुमार ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें घटनास्थल पर तुरंत पहुंच गईं। दमकलकर्मियों ने आग बुझाने के साथ-साथ फैक्ट्री में फंसे हुए मजदूरों को बचाने की कोशिश की, लेकिन आग की भीषणता के कारण कोई बचाव कार्य सफल नहीं हो सका। आग पर काबू पाने के बाद फैक्ट्री के अंदर तलाशी ली गई, जिसमें तीन मजदूरों के शव मिले। आग में जान गंवाने वाले तीन मजदूरों की पहचान हो गई है। मृतकों में 23 वर्षीय गुलफाम मथुरा के रहने वाले थे, 29 वर्षीय मजहर आलम और 24 वर्षीय दिलशाद बिहार के निवासी शामिल हैं। पुलिस ने शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही घटना स्थल पर शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। इस दुखद घटना से पीड़ित मजदूरों के परिवारों में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतकों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है और स्थानीय प्रशासन ने उन्हें हर संभव मदद देने का वादा किया है। वहीं पुलिस और दमकल विभाग ने इस हादसे की वजह जानने के लिए जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी हो सकती है, लेकिन जांच पूरी होने के बाद ही इसका स्पष्ट कारण सामने आएगा।

इलेक्ट्रॉनिक्स को बढ़ावा देने और चीन पर निर्भरता कम करने के लिए भारत 5 बिलियन डॉलर का देगा प्रोत्साहन

नेशनल डेस्क. भारत मोबाइल से लेकर लैपटॉप तक के गैजेट के लिए स्थानीय स्तर पर घटक बनाने वाली कंपनियों को 5 बिलियन डॉलर तक का प्रोत्साहन देगा, दो सरकारी अधिकारियों ने कहा कि इस उभरते उद्योग को बढ़ावा दिया जा सके और चीन से आपूर्ति कम की जा सके।

भारत का इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन पिछले छह वर्षों में दोगुना से अधिक बढ़कर 2024 में 115 बिलियन डॉलर हो गया है, जिसका श्रेय Apple और Samsung जैसी वैश्विक फर्मों द्वारा मोबाइल विनिर्माण में वृद्धि को जाता है। यह अब दुनिया का चौथा सबसे बड़ा स्मार्ट फोन आपूर्तिकर्ता है। लेकिन इस क्षेत्र को चीन जैसे देशों से आयातित घटकों पर अपनी भारी निर्भरता के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। दोनों अधिकारियों में से एक ने कहा- नई योजना मुद्रित सर्किट बोर्ड जैसे प्रमुख घटकों के उत्पादन को प्रोत्साहित करेगी जो घरेलू मूल्य संवर्धन में सुधार करेगी और इलेक्ट्रॉनिक्स की एक श्रृंखला के लिए स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को गहरा करेगी। प्रोत्साहन एक नई योजना के तहत दिए जाने की संभावना है, जिसे दो से तीन महीने में लॉन्च किया जाना है, लेकिन योजना का विवरण अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। इस योजना के तहत वैश्विक या स्थानीय फर्मों को 4-5 बिलियन के बीच प्रोत्साहन दिए जाने की संभावना है, जो इसके लिए योग्य हैं। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय द्वारा तैयार की गई इस योजना में प्रोत्साहन के लिए पात्र घटकों की पहचान की गई है और यह अपने अंतिम चरण में है। पहले अधिकारी ने कहा कि वित्त मंत्रालय जल्द ही योजना के अंतिम आवंटन को मंजूरी देगा, सूत्रों को उम्मीद है कि इसे अगले 2-3 महीनों में लॉन्च किया जाएगा। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय और वित्त मंत्रालय ने टिप्पणी के अनुरोधों का तुरंत जवाब नहीं दिया।

सरकार के शीर्ष नीति थिंक टैंक नीति आयोग के अनुसार, भारत वित्त वर्ष 2030 तक अपने इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को 500 बिलियन तक बढ़ाने का लक्ष्य बना रहा है, जिसमें .150 बिलियन मूल्य के घटकों का उत्पादन भी शामिल है। निजी थिंक टैंक जीटीआरआई के विश्लेषण के अनुसार, भारत ने वित्त वर्ष 2024 में 89.8 बिलियन डॉलर मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक्स, टेलीकॉम गियर और इलेक्ट्रिकल उत्पादों का आयात किया, जिसमें से आधे से अधिक चीन और हांगकांग से आयात किए गए। भारत के सेलुलर और इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के प्रमुख पंकज मोहिंद्रू ने कहा- यह योजना ऐसे समय में आ रही है जब घटक विनिर्माण को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है जो हमें वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन का लक्ष्य हासिल करने में मदद करेगा।

जनवरी में मिल सकता है तोहफा... 8वें वेतन आयोग से केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी और पेंशन में होगी बड़ी बढ़ोतरी

नई दिल्ली. केंद्रीय कर्मचारियों के लिए नए साल में एक बड़ी खुशखबरी आ सकती है। 8वें वेतन आयोग से जुड़ी चर्चाएं जोरों पर हैं और इसके तहत कर्मचारियों की सैलरी में बड़ी बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सरकार अगले केंद्रीय बजट में इस संबंध में ऐलान कर सकती है, जिसके बाद केंद्रीय कर्मचारियों की न्यूनतम सैलरी में 186 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो सकती है। अगर यह प्रस्ताव मंजूर हो जाता है तो कर्मचारियों के लिए यह एक बडी राहत साबित होगी।

8वें वेतन आयोग का प्रस्ताव और फिटमेंट फैक्टर

सूत्रों के अनुसार, 8वें वेतन आयोग के तहत कर्मचारियों के वेतन में 2.86 गुना की बढ़ोतरी की सिफारिश की जा सकती है, जो कि फिटमेंट फैक्टर के आधार पर होगी। फिटमेंट फैक्टर दरअसल वह गुणांक है, जिसके आधार पर कर्मचारियों की सैलरी और पेंशन तय की जाती है। पिछले वेतन आयोग के दौरान, फिटमेंट फैक्टर 2.57 था, जिसके बाद न्यूनतम सैलरी 7,000 रुपये से बढ़कर 18,000 रुपये हो गई थी। अगर 8वें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.86 तक बढ़ता है, तो कर्मचारियों की बेसिक सैलरी में एक बड़ा इजाफा हो सकता है। अगर 2.86 का फिटमेंट फैक्टर लागू होता है, तो मान लीजिए कि केंद्रीय कर्मचारियों की मौजूदा न्यूनतम बेसिक सैलरी 18,000 रुपये है, तो इसे बढ़ाकर 51,480 रुपये तक किया जा सकता है। इसका मतलब है कि कर्मचारियों को अपनी सैलरी में 186 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी का लाभ मिल सकता है। यह बढ़ोतरी कर्मचारियों के जीवनस्तर में सुधार लाने और महंगाई से निपटने के लिए महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है।

पेंशन में भी होगी बढ़ोतरी

सिर्फ सैलरी ही नहीं, बल्कि रिटायर्ड कर्मचारियों की पेंशन में भी बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। वर्तमान में केंद्रीय कर्मचारियों को 9,000 रुपये की न्यूनतम पेंशन मिलती है। लेकिन फिटमेंट फैक्टर 2.86 के लागू होने के बाद यह पेंशन 25,740 रुपये तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। इसका मतलब है कि रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए भी यह एक अच्छा समाचार हो सकता है, जिससे उनकी वित्तीय स्थिति में भी सुधार होगा। इससे पहले, केंद्रीय कर्मचारियों को दिवाली पर एक और बड़ा तोहफा मिला था। सरकार ने महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की थी, जिसके बाद उनका ष्ठ 50 प्रतिशत से बढ़कर 53 प्रतिशत हो गया। इसके अलावा, सरकार ने जुलाई, अगस्त और सितंबर के महीने के एरियर का भी ऐलान किया था, जिसे कर्मचारियों के खाते में जारी किया गया। इससे कर्मचारियों को एक साथ 3 महीने का एरियर मिलने से उनका वित्तीय बोझ कुछ कम हुआ।

कब हो सकता है ऐलान?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार इस बढ़ोतरी से जुड़े फैसले को आगामी केंद्रीय बजट में शामिल कर सकती है, जो कि जनवरी 2024 में पेश किया जा सकता है। केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए यह एक अहम घटनाक्रम साबित हो सकता है, क्योंकि इससे उनके जीवन स्तर में सुधार के साथ-साथ सरकारी खजाने पर भी बड़ा असर पड़ेगा। कुल मिलाकर, केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए 8वें वेतन आयोग का प्रस्ताव एक अहम कदम साबित हो सकता है, जो उन्हें बेहतर वित्तीय स्थिति में ला सकता है। इस घोषणा का इंतजार कर्मचारियों के साथ-साथ पेंशनर्स भी बड़े चाव से कर रहे हैं।

पाकिस्तान में इमरान खान के समर्थकों का बवाल, हिंसा में 5 रेंजर्स की मौत

इंटरनेशनल डेस्क। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों ने बड़े पैमाने पर हंगामा कर दिया है। इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर सैकड़ों समर्थक इस्लामाबाद में घुस आए और हिंसा की। इन समर्थकों ने श्रीनगर हाईवे पर रेंजर्स के जवानों को अपनी गाड़ियों से कुचल दिया, जिसके कारण 5 रेंजर्स की मौत हो गई।

इस हिंसा के दौरान अब तक कुल 5 रेंजर्स और 2 पुलिस अधिकारियों की जान चली गई है। इसके अलावा 100 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। पाकिस्तान सरकार ने हालात को काबू में करने के लिए पाकिस्तानी सेना को बुलाया है।

वहीं सेना को आतंकवादियों और अशांति फैलाने वालों से सख्ती से निपटने के आदेश दिए गए हैं। साथ ही स्थिति को नियंत्रित करने के लिए देखते ही गोली मारने का आदेश भी जारी किया गया है। पाकिस्तान में यह घटनाएं इमरान खान के समर्थकों द्वारा उनके नेता की रिहाई की मांग को लेकर उठाई गईं हैं। देश में बढ़ती हिंसा और अशांति के कारण सुरक्षा बलों को अतिरिक्त कदम उठाने की जरूरत पड़ रही है।

इसके साथ ही पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शन में बढ़ती हिंसा को देखते हुए सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं। सरकार ने अनुच्छेद 245 के तहत सेना को बुलाया है ताकि स्थिति को नियंत्रित किया जा सके।

इमरान खान के समर्थक उनकी रिहाई की मांग को लेकर संसद तक मार्च निकालने की योजना बना रहे हैं और धरना देने का ऐलान किया है। इस बढ़ते विरोध को देखते हुए सरकार ने सख्त सुरक्षा इंतजाम किए हैं। प्रदर्शनकारियों को संसद तक जाने से रोकने के लिए राजधानी की सड़कों पर बैरिकेड्स लगाए गए हैं। इसके बावजूद इमरान खान के समर्थकों ने इन बैरिकेड्स को हटा दिया और पुलिस के साथ हिंसक झड़पें कीं।

इस हिंसा और विरोध को लेकर पाकिस्तान में स्थिति बहुत तनावपूर्ण हो गई है और सरकार ने प्रदर्शनकारियों से सख्ती से निपटने का फैसला लिया है। अब सेना और सुरक्षा बलों को मामले पर काबू पाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने की जरूरत है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569